तापमान
अधिकतम 32.2 डिग्री
न्यूनतम 20.0 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, शुक्रवार 8 नवंबर 2024

13 कचना ओवरब्रिज बनाने में फिर लगा ब्रेक, सौ मीटर के दायरे...

14 शहर में जिस रफ्तार से वाहन बढ़ रहे उस स्तर...

प्राध्यापकों की पूरी टीम जाएगी जेल, कैदियों के लिए भी अनिवार्य नियमित कक्षाएं, होगा आंतरिक मूल्यांकन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

केंद्रीय जेल में अब नियमित कक्षाओं का संचालन होगा। महाविद्यालय के प्रोफेसर्स वहां पहुंचकर कैदियों की कक्षाएं लेंगे। दरअसल अब तक कैदी प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में शामिल होते रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अब प्राइवेट परीक्षार्थियों के लिए भी निर्धारित अवधि तक नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहना अनिवार्य कर दिया गया है। यही वजह है कि अब जेल में कैदियों के लिए नियमित कक्षाओं का संचालन होगा। ऐसा नहीं किए जाने की स्थिति में उन्हें परीक्षा से वंचित होना पड़ता। इसके अलावा अन्य स्वाध्यायी विद्यार्थियों की तरह कैदियों का भी आंतरिक मूल्यांकन होगा।

जो प्राध्यापक कैदियों की कक्षाएं लेंगे, वे ही उनका आंतरिक मूल्यांकन करेंगे। उन्हें असाइनमेंट भी प्रदान किए जाएंगे, जिसे तय अवधि तक पूर्ण करना होगा। दिसंबर-जनवरी में होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए कक्षाएं नवंबर के दूसरे पखवाड़े में प्रारंभ होंगी। इसके लिए छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के प्राध्यापक ⏭ शेष पेज 13 पर

इसलिए फैसला

सामान्य स्वाध्यायी विद्यार्थियों की तरह कैदियों को कॉलेज जाने की अनुमति प्रदान करना व्यवहारिक दृष्टिकोण से संभव नहीं है। अनुमति मिलने पर भी सुरक्षा के लिए पुलिस बल को साथ जाना पड़ता। इसमें आने वाली अन्य समस्याओं को देखते हुए जेल में ही कक्षाएं संचालित करने का निर्णय लिया गया। पूर्व में भी महाविद्यालीयन प्राध्यापकों द्वारा जेल में ⏭ शेष पेज 13 पर

छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के प्राध्यापक जाएंगे अध्ययन कराने

- नवंबर के दूसरे पखवाड़े से शुरू होगी जेल में कक्षाएं पर्चे दिसंबर-जनवरी में

निशुल्क देंगे सेवाएं

छत्तीसगढ़ महाविद्यालय से चर्चा पूर्ण हो गई है। वहां के प्राध्यापक जेल में निशुल्क कक्षाएं संचालित करेंगे। मौजूदा सत्र में 81 कैदियों ने प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में आवेदन किए हैं। इनमें से अधिकतर कला और वाणिज्य संकाय के हैं।

- **नेतराम नागतोड़े,** केंद्रीय जेल परीक्षा प्रभारी

खबर संक्षेप

महिला की हत्या, बेटा और पति फरार

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र में पखवाड़ेभर पूर्व मृत हालत में मिली महिला की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई है। महिला मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली है। सुखवंतीन बाई धीवर की लाश महादेवघाट के पास झाड़ियों के पीछे एक खाली दुकान के पास मिली थी। महिला का अपने बेटे डमरू के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घटना के बाद महिला का बेटा और पति फरार है।

थाने के सामने नर्स से बैग लूटकर भागे बदमाश

रायपुर। आजाद चौक थाना क्षेत्र में बुधवार को दिनदहाड़े ऑटो सवार तीन बदमाशों ने ड्यूटी से लौट रही एक नर्स के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने नर्स की बैग लूट लिया। बैग में नर्स का मोबाइल तथा कैश दस हजार रुपए थे। घटना आजाद चौक थाना के सामने की है। लूट होने के संबंध में पुलिस से संपर्क किया तो पुलिस किसी भी तरह की लूट होने की बात से इंकार करती रही। पुलिस नर्स को थाने में घंटों बैठाकर पूछताछ करती रही।

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में 96 घंटों के बाद चढ़ाया जाता है नया कंबल

रेलवे का दावा- हर यात्रा के बाद बदले जाते हैं कंबल, इधर ट्रेनों में सप्ताहभर तक हो रहा इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

ट्रेनों के कंबल में गंदगी और बदबू की शिकायत अक्सर यात्रियों की ओर से रेलवे बोर्ड को मिलती रही है। रेलवे ने इसकी साफ-सफाई के लिए अलग से व्यवस्था बनाई है, लेकिन इसके बाद भी एक कंबल को दिन में चार से अधिक यात्री उपयोग कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक जोन की लंबी दूरी की ट्रेनों में इसकी सफाई भी सप्ताह में एक बार ही होती है। मंडल के रेल अफसरों का दावा है कि हर यात्रा के बाद कंबल को बदल दिया जाता है, लेकिन हकीकत में यह कंबल सप्ताहभर तक ट्रेन में इस्तेमाल किया जा रहा है। एसी ⏭ शेष पेज 13 पर

चार दिन में दर्जनों यात्री करते हैं एक कंबल का इस्तेमाल

गंदे कंबल इस्तेमाल करना मजबूरी

रेलवे का कहना है कि एक ट्रिप में एक यात्री द्वारा कंबल इस्तेमाल करने के बाद उसी कंबल को दूसरे यात्री को दिया जाता है। ऐसा कोई नियम नहीं है कि हर यात्री को नया कंबल दिया जाएगा। इससे स्पष्ट है कि लंबी दूरी की ट्रेनों में जो कंबल यात्रियों को मिलता है, वह दूसरे यात्रियों द्वारा इस्तेमाल किया हुआ होता है। ऐसे कंबल के उपयोग से यात्रियों को शरीर में त्वचा संबधित समस्या हो सकती है। जोन की लंबी दूरी की ट्रेनों में चार दिन से अधिक समय के बाद नया कंबल आता है।

हर यात्रा में नया कंबल

हर यात्रा में साफ किया हुआ कंबल यात्रियों को दिया जाता है। एक यात्रा के बाद कंबल बदलने का नियम है। सफाई के लिए विशेष व्यवस्था मंडल में बनाई गई है।

- **अवधेश कुमार त्रिवेदी,** सीनियर डीसीएम

अन्य यात्री भी करते हैं इस्तेमाल

एक ट्रिप की यात्रा में एक यात्री द्वारा इस्तेमाल किए गए कंबल को दूसरे यात्रियों को भी दिया जाता है। ट्रेनों में हर यात्री को चादर नया जरूर दिया जाता है।

- **डॉ. सुरकर विपुल विलासराव,** सीपीआरओ, दपूमरे

रेलवे को 26 हजार चादरों की जरूरत

रायपुर मंडल से गुजरने वाली 10 ट्रेनों में यह उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसकी सफाई दुर्ग लांड्री में होती है। यहां सफाई के बाद भी कंबल व चादरों में दाग खत्म नहीं हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक रेलवे के पास ट्रेनों के हिसाब से पर्याप्त मात्रा में न तो चादरें हैं और न ही कंबल। जरूरत लगभग 26 हजार चादरों की है, लेकिन यहां केवल 13 हजार ही हैं। लांड्री में कंबल का 600 का स्टॉक हमेशा होना चाहिए, लेकिन यहां केवल 275 ही हैं। कंबल केवल 3 घंटे और चादरें 12 घंटे का समय लेकर धुलाई के बाद भेजी जा रही हैं। इस वजह से धुलाई के लिए ज्यादा टाइम नहीं मिल रहा। चादरों को 72 घंटे पहले लांड्री भेजने का नियम है। यहां 24 घंटे का भी समय नहीं दिया जा रहा है। धुलाई के तुरंत बाद चादरों और कंबलों को प्रेस मशीन में सुखाकर ट्रेनों में भेज दिया जा रहा है।

दीपावली में इस बार 6 दिनों में हो गई 15 सौ से ज्यादा रजिस्ट्री करीब 26 करोड़ रुपए की आय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दीपावली में इस बार प्रॉपर्टी की जमकर खरीदी-बिक्री हुई है, जिससे पंजीयन कार्यालय में रजिस्ट्री भी जमकर हुई है। त्योहार के दौरान 6 दिनों में 1514 रजिस्ट्री हुई है, जिससे करीब 26 करोड़ रुपए की आय हुई है। इसमें पंजीयन शुल्क के रूप में साढ़े दस करोड़ रुपए से अधिक तथा स्टाम्प शुल्क से करीब साढ़े 15 करोड़ रुपए की आय हुई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पिछली दीपावली की तुलना में इस बार 6 दिनों में रजिस्ट्री के साथ आय ज्यादा हुई है।

पंजीयन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दीपावली त्योहार में सोना-चांदी एवं वाहन की बिक्री की तरह प्रॉपर्टी की भी जमकर बिक्री हुई है। ⏭ शेष पेज 13 पर

धनतेरस के दिन 7 करोड़ से अधिक की रजिस्ट्री

दीपावली त्योहार में धनतेरस को खरीदी करने के लिए सबसे शुभ मुहूर्त माना जाता है, इसलिए इस दिन लोग सबसे ज्यादा खरीददारी करते है। पंजीयन विभाग में भी इस दिन सबसे ज्यादा रजिस्ट्री हुई है। एक दिन में 415 रजिस्ट्री हुई है, जिससे 7 करोड़ 1 लाख 25 हजार 358 रुपए की आय हुई है। इसमें पंजीयन शुल्क से 2 करोड़ 93 लाख 56 हजार 961 रुपए तथा स्टाम्प शुल्क से 4 करोड़ 7 लाख 48 हजार 397 रुपए प्राप्त हुआ है।

दोगुनी से अधिक रजिस्ट्री

दीपावली त्योहार में इस बार अच्छी रजिस्ट्री हुई है। 23 से 30 अक्टूबर के बीच 6 दिनों के दौरान 1514 रजिस्ट्री हुई है, जिससे करीब 26 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

- **विनोज कोचे,** पंजीयक पंजीयन विभाग रायपुर

सामान्य दिनों की अपेक्षा दोगुनी से अधिक रजिस्ट्री

सामान्य दिनों में पंजीयन कार्यालय में 100 से 120 रजिस्ट्री होती है, वहीं नवरात्रि, दीपावली और क्लोजिंग मार्च जैसे महीने में सबसे ज्यादा रजिस्ट्री होती है। इस दीपावली में सामान्य रजिस्ट्री की तुलना में दोगुनी से अधिक रजिस्ट्री हुई है, जिससे आय भी दोगुनी से अधिक हुई है।

राज्य में जुटेंगे देश-विदेश के 2 हजार से अधिक इंजीनियर और वैज्ञानिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में इंडियन रोड कांग्रेस (आईआरसी) का 83वां अधिवेशन शुक्रवार से चार दिवसीय किया जा रहा है। इंडियन रोड कांग्रेस सड़क एवं सेतु निर्माण से संबंधित मानक एवं गाइड लाइंस निर्धारित करने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है। इसके द्वारा जारी किए गए मानक एवं दिशा निर्देश के अनुसार भारत सरकार एवं अन्य सड़क निर्माण विभाग मानकों के अनुसार निर्माण करते हैं। राज्य के लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने संवाददाताओं से चर्चा में कहा, भारतीय सड़क कांग्रेस का 83वां वार्षिक अधिवेशन छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रहा है। अधिवेशन का उद्घाटन केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी करेंगे। अधिवेशन में देश-विदेश के सैकड़ों वैज्ञानिक, सड़क व पुल निर्माण से जुड़े इंजीनियरों सहित 2 हजार प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि अधिवेशन के दौरान निर्माण की नई तकनीक और अन्य सुरक्षात्मक उपायों पर चर्चा की जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों और अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। अधिवेशन को लेकर लोक निर्माण विभाग ने तीन-चार स्तर पर कमेटी का गठन किया है। वार्षिक अधिवेशन के लिए स्टेयरिंग कमेटी एवं 17 विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। इस दौरान सड़क से संबंधित नवाचारों पर प्रेजेंटेशन होंगे और उन पर चर्चा भी होगी। यहां 129 स्टाल लगाने के लिए 2 बड़े डोम बनाए जा रहे हैं। इनमें सड़क, पाथवे, डिवाइडर के डिजाइन के साथ अलग अलग उपकरण प्रदर्शित किए जाएंगे। इनसे लोगों को इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने बताया कि आयोजन के लिए लोक निर्माण विभाग ने 13.45 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है।

अलग खबर

आईआरसी के अधिवेशन में सड़क एवं सेतु निर्माण के नवाचार पर प्रेजेंटेशन

अधिवेशन में 18 डाक्यूमेंट पर चर्चा

आईआरसी के अध्यक्ष ने बताया कि 1914 में आईआरसी की स्थापना हुई थी। 90 साल में इसके 19 हजार से अधिक सदस्य हैं। सड़क और सेतु निर्माण के 290 से अधिक कोड आईआरसी ने विकसित किए हैं। पिछले चार सालों में 225 से अधिक कोड बनाए गए हैं। सड़क और सेतु निर्माण के मानक के रूप में पूरे देश की विभिन्न संस्थाओं के द्वारा इसका पालन किया जाता है। यहां होने वाले अधिवेशन में 18 डाक्यूमेंट पर चर्चा की उसे अंतिम रूप दिया जाएगा। देश के अलावा अन्य देशों के द्वारा भी आईआरसी के मानकों का उपयोग किया जाता है। तकनीकी प्रदर्शनी के साथ युवा इंजीनियरों के लिए कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएगी। एनआईटी, आईआईटी व अन्य इंजीनियरिंग कालेजों के 60 स्टूडेंट्स को आईआरसी का मेंबर बनाया जाएगा।

गडकरी आज करेंगे शुभारंभ

भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी 8 नवम्बर को शाम 5 बजे राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री अपरान्ह 3.45 बजे गोंदिया से विमान द्वारा रवाना होकर शाम 4.15 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर पहुंचेंगे और शाम 5 बजे साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल होंगे। श्री गडकरी स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से रात्रि 7.15 बजे नागपुर के लिए रवाना होंगे।

खबर संक्षेप

सीएम साय आज विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 8 नवंबर को बलौदाबाजार, कोरबा जिले के कटघोरा और राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्वान्ह 11.05 बजे पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 11.25 बजे बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के बलौदाबाजार स्थित शासकीय डीके महाविद्यालय मैदान पहुंचेंगे और 11.30 बजे दशहरा मैदान में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन, लोकार्पण एवं दीपावली मिलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 12.35 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 1.05 बजे कोरबा जिले के कटघोरा के मेला ग्राउण्ड हेलीपेड पहुंचेंगे और वहां प्रांतस्तरीय भगवान सहस्त्रबाहु जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे। अपरान्ह 3.15 बजे रायपुर लौट आएंगे। शाम 5 बजे रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल होंगे।

शहर की खस्ताहाल सड़कों का डामरीकरण शुरू

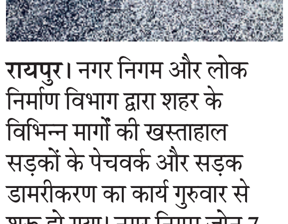

रायपुर। नगर निगम और लोक निर्माण विभाग द्वारा शहर के विभिन्न मार्गो की खस्ताहाल सड़कों के पेचवर्क और सड़क डामरीकरण का कार्य गुरुवार से शुरू हो गया। नगर निगम जोन 7 क्षेत्र के आमापारा स्थित विशाल मेगामार्ट से अग्रसेन चौक मार्ग की सड़क डामरीकरण करने मशीन सड़क पर उतारी गई। बारिश खत्म होने के बाद डामर प्लांट शुरू होने के साथ ही सड़क डामरीकरण का कार्य प्रारंभ कराया गया है। राजधानी वासियों को खस्ताहाल सड़कों और जगह-जगह सड़क पर उभर आए गड्ढों से निजात मिलेगी। नगर निगम के लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न जोन में चिन्हांकित मार्ग के सड़क डामरीकरण का कार्य अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से कराया जा रहा है। इसके तहत स्टेशन रोड, समता कालोनी और आमापारा सहित अन्य मार्गो पर पेच वर्क के साथ ही डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

रबी मौसम में 19.25 लाख हेक्टेयर रकबे में बोनी का लक्ष्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर रबी फसलों को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष 19.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न रबि फसलों की बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध अब तक 2.16 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं, चना, मटर, मक्का, अलसी सहित विभिन्न रबी फसलों की बोनी हो चुकी है, वहीं 0.14 लाख क्विंटल बीज और 0.35 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जा चुका है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वर्ष 2024-25 में रबि फसलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस वर्ष विभिन्न रबि फसलों की बोनी के लिए 19.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न रबी फसलों की बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध अब तक 2.16 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं, चना, मटर, मक्का, अलसी सहित विभिन्न रबी फसलों की बोनी हो चुकी हैं, जो लक्ष्य का 11 प्रतिशत है। जबकि पिछले वर्ष के लिए 19.19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में रबी फसलों की बोनी का लख निर्धारित किया गया था।

हैदराबाद से आए इंजीनियरों ने मशीनों की बारीकी से की जांच

कमीशनिंग में 19 ईवीएम डिफेक्टिव निकली 1504 सही पाई गई, मशीनों को किया सीलबंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में उपयोग में लाई जाने वाली ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग की गई। इसमें 19 मशीनें डिफेक्टिव निकलीं, जिसके कारण इन मशीनों को रिजेक्ट कर दिया गया है। अब इन मशीनों का 13 नवंबर को होने वाले मतदान के दिन पोलिंग बूथों में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। सेजबहार स्थित स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग का काम गुरुवार को समाप्त हुआ। उपचुनाव के लिए जिला प्रशासन को 1523 ईवीएम मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें बीयू 719, सीयू 379 व वीवीपैट की संख्या 425 है। इन मशीनों का मतदान से पूर्व कमीशनिंग कराया गया है। कमीशनिंग के माध्यम से तकनीकी रूप से खराब या डिफेक्टिव हो चुकी मशीनों को अलग करना है। इसके लिए हैदराबाद से दो इंजीनियरों की टीम आई हुई है, जिनके द्वारा बारीकी से मशीनों की जांच की गई। जांच के दौरान इनमें से 5 बीयू, 1 सीयू व 13 वीवीपैट डिफेक्टिव निकलीं। डिफेक्टिव मशीनों को रिजेक्ट कर दिया गया है। इन मशीनों का अब चुनाव में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

मॉकपोल के बाद ईवीएम मशीनें स्ट्रांग रूम में सीलबंद

कमीशनिंग व मॉकपोल के बाद चुनाव में इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम मशीनों को जिला उप निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर पुष्पेंद्र शर्मा सहित अन्य चुनाव अधिकारियों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम में रखकर उसे सीलबंद किया गया है। स्ट्रांग रूम को अब मतदान दलों को पोलिंग बूथों के लिए रवाना करने के दिन खोला जाएगा।

20 प्रतिशत अतिरिक्त ईवीएम

चुनाव के दौरान पोलिंग बूथों में इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम में 20 प्रतिशत अतिरिक्त मशीन है। मतदान के दौरान किसी मशीन में तकनीकी खराबी आने पर मतदान प्रभावित न हो, इसे देखते हुए अतिरिक्त ईवीएम मशीनों की व्यवस्था की जाती है, जो उपचुनाव में भी की गई है।

- -**उमाशंकर बंदे,** जिला उप निर्वाचन अधिकारी

कमीशनिंग के बाद हुआ मॉकपोल

जिला उप निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे ने बताया कि 5 से 7 नवंबर तक कमीशनिंग का कार्य चला है। कमीशनिंग के बाद चुनाव में खड़े भाजपा-कांग्रेस सहित अन्य विभिन्न राजनीतिक दलों के कई प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में मॉकपोल भी किया गया। मॉकपोल के दौरान कमीशनिंग में सही पाई गई कुछ ईवीएम मशीनों में प्रतिनिधियों ने एक-एक वोट डालकर मशीनों को परखा। हालांकि जिन मशीनों में ट्रायल के रूप में वोट डाले गए, उनका इस्तेमाल भी चुनाव में नहीं किया जाएगा।

अनुराग बोले- भाजपा का पूरा संगठन प्रचार में कांग्रेसी घूम ही नहीं रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल ने कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की पस्त हालत देखकर कांग्रेसी बौखलाहट में हास्यास्पद प्रलाप करने लगे हैं। सच्चाई यह है कि कांग्रेसी रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में घूम ही नहीं रहे हैं, इसलिए उनको पता नहीं लग रहा है कि इस उपचुनाव में भाजपा का पूरा संगठन प्रचंड बहुमत से भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी को जिताने के लिए जुटा हुआ है।

श्री अग्रवाल ने कहा, रायपुर दक्षिण के चुनावी रण में भाजपा के एक ही गुट की सक्रियता का अनर्गल व मिथ्या प्रलाप कर रहे कांग्रेस नेता जरा जमीनी सच्चाई से रूबरू होने की हिम्मत दिखाएं। रायपुर दक्षिण के आठ बार के विधायक व भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,टंकराम वर्मा, लखन लाल देवांगन एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, विधायकगण अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा आदि विभिन्न मंडलों की कमान संभाले हुए हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव व विजय शर्मा का लगातार रायपुर दक्षिण में प्रवास हो चुका है। कांग्रेसी डर के मारे रायपुर दक्षिण जा ही नहीं रहे हैं, इसलिए उनको सच्चाई का पता नहीं है।

सीएम साय की भी झारखंड और महाराष्ट्र में होंगी सभाएं

ओपी चौधरी, केदार कश्यप, विजय शर्मा, तोखन साहू, नारायण सिंह चंदेल सहित कई नेताओं ने वापस झारखंड में संभाला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में राज्योत्सव निपटने के बाद अब प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भी झारखंड के साथ महाराष्ट्र के लिए भी भाजपा का राष्ट्रीय संगठन सभाएं तय करने वाला है। वैसे चुनाव का ऐलान होने से पहले भी मुख्यमंत्री की झारखंड में सभाएं हो चुकी हैं। चुनाव का ऐलान होने के बाद भी उनका एक दौरा हुआ है। अब वापस उनकी सभाओं की तैयारी है। इधर महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने छत्तीसगढ़ के 60 से ज्यादा नेताओं को वहां की विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी है। झारखंड में प्रदेश के नेताओं को 40 विधानसभाओं का जिम्मा दिया गया है। झारखंड में प्रदेश के कई मंत्रियों को भी जिम्मा दिया गया है। प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय शर्मा, मंत्री ओपी चौधरी, केदार कश्यप और केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण सिंह चंदेल के साथ प्रदेश के कई नेताओं ने झारखंड में दीपावली के बाद एक बार फिर से मोर्चा संभाला लिया है। इस बीच ये नेता राज्योत्सव के कारण वापस छत्तीसगढ़ आए और राज्योत्सव का कार्यक्रम निपटने के बाद वापस झारखंड चले गए हैं। प्रदेश के कई नेताओं को महाराष्ट्र का जिम्मा दिया गया है। ये नेता वहां पर अपनी जिम्मे वाली विधानसभाओं में काम कर रहे हैं।

- छत्तीसगढ़ के 60 से ज्यादा नेताओं को वहां की विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी

झारखंड में इनको जिम्मा

झारखंड के लिए प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप, ओपी चौधरी, विजय शर्मा, सांसद संतोष पांडेय, विजय बघेल, विधायक भावना बोहरा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण सिंह चंदेल को वहां पर कई विधानसभाओं का जिम्मा देकर क्लस्टर प्रभारी बनाया गया है। ये सभी नेता दीपावली मनाने के बाद झारखंड पहुंच गए हैं। प्रदेश के मंत्री ओपी चौधरी को रामगढ़ और हजारीबाग जिले के विधानसभा की जिम्मेदारी मिली है। डिप्टी विजय शर्मा को गिरिडीह की जिम्मेदारी मिली है। सांसद विजय बघेल को सरायकेला, खरसावां के साथ चाईबासा की जिम्मेदारी दी गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू को 4 विधानसभा सीटों का प्रभार दिया गया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण सिंह चंदेल को जमशेदपुर की चार विधानसभाओं की जिम्मेदारी मिली है। विधायक भावना बोहरा को यहां पर ग्रामीण का प्रभार दिया गया है। इसी के साथ और कई नेताओं को वहां का जिम्मा दिया गया है। इस समय सभी नेता अपने जिम्मे वाली विधानसभाओं में हैं।

महाराष्ट्र में इनको जिम्मा

महाराष्ट्र में छत्तीसगढ़ के जिन नेताओं को जिम्मा दिया गया है, उनमें प्रदेश के महामंत्री रामजी भारती को संभाजीनगर शहर का जिम्मा दिया गया है। अन्य नेताओं में पूर्व विधायक नवीन मार्कंडेय को धाराशिव, संतोष उपाध्याय, नंदकुमार राणा, गोपाल विष्ठ को लातूर ग्रामीण, पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, श्रवण मरकाम को बीड, पूर्व विधायक विनोद खांडेकर को संभाजीनगर दक्षिण, निरंजन सिंहा को संभाजीनगर उत्तर, कोमल जंघेल को जालना ग्रामीण, पूर्व विधायक नंदे साहू को परभणी ग्रामीण, वीरेंद्र कुमार साहू को हिंगोली, पूर्व विधायक रंजना साहू नांदेड़ दक्षिण, आशु चंद्रवंशी को नांदेड़ उत्तर, विक्रांत सिंह को नांदेड़ उत्तर का जिम्मा दिया गया है।

मनरेगा मजदूरी भुगतान में फर्जीवाड़ा, जांच के लिए टीम गठित

आरंग क्षेत्र के ग्राम देवदा का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के आरंग ब्लॉक अंतर्गत ग्राम देवदा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत हुए कामों में घोटाला का मामला सामने आया है। ऑनलाइन सिस्टम में सेंधमारी कर फर्जी मजदूर एवं फर्जी काम की एंट्री करके हजारों रुपए आहरण किए गए हैं। यह खेल पिछले कई साल से चल रहा था। बताया जा रहा है कि इस मामले की शिकायत गांव के ही कुछ लोगों द्वारा पंचायत स्तर पर की गई थी, जिसकी प्रारंभिक जांच में शिकायत सही भी पाई गई थी, लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद इस मामले की शिकायत प्रशासन से की गई है, जिसके बाद इस मामले की जांच के लिए जिला पंचायत द्वारा 3 सदस्यीय टीम गठित की गई है, जो दोबारा इस मामले की जांच कर रही है।

जांच की जा रही

ग्राम देवदा में मनरेगा मजदूरी भुगतान में फर्जीवाड़ा के अलावा अन्य शिकायतों की जांच के लिए टीम बनी हुई है। जांच टीम में मैं भी शामिल हूं। इस मामले की जांच की जा रही है।

- **आशीष सिंह**
जांच टीम सदस्य, जिला पंचायत रायपुर

10 फर्जी लोगों की पहचान

शिकायतकर्ताओं ने ऑनलाइन एंट्री में दर्ज मजदूरों के नामों में 10 ऐसे लोगों के नाम की पहचान की है, जो गांव में मनरेगा का काम करने पहुंचे ही नहीं हैं। इनमें एक दंपति भी शामिल है, जिनके नाम आशीष बघेल एवं तुकेश्वरी बघेल हैं। इस दंपति को गांव छोड़े हुए करीब 12 वर्ष बीत चुके हैं। इसके अलावा अरुण डहरिया, राकेश डहरिया, देवेंद्र कोसले, अरुण कोसले, शीतल बघेल, कामता डहरिया, गीता डहरिया एवं कोमल डहरिया शामिल हैं। इन नामों के मजदूरों ने भी मनरेगा का काम नहीं किया है।

ऑनलाइन एंट्री में ऐसे मजदूरों के नाम जो कभी काम पर नहीं आए

मनरेगा के तहत ग्राम देवदा में लाखों रुपए के विभिन्न काम किए गए हैं। इन कामों को करने मजदूरों के नाम की एंट्री विभाग की वेबसाइट पर की गई है। इस एंट्री के अनुसार ही मजदूरों को मजदूरी राशि का भुगतान किया गया है, लेकिन वेबसाइट में जिन मजदूरों के नाम हैं, उनमें ऐसे कई मजदूर हैं, जो कभी काम करने ही नहीं पहुंचे हैं। शिकायतकर्ता ग्रामीणों ने शिकायत में आरोप लगाया है कि गांव के सरपंच, रोजगार सहायक, पंचायत सचिव ने साठगांठ करके मास्टर रोल में फर्जी रूप से अपने परिचित लोगों के नाम से एंट्री कर मजदूरी की राशि उनके खातों में डालकर आहरण किया है।

डॉ. महंत ने दक्षिण विधानसभा के दो वार्डों में किया जनसंपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस के स्टार प्रचारकों ने मोर्चा संभाल लिया है। आज से 10 नवंबर तक प्रदेश कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का पांच-पांच वार्डों में जनसंपर्क करने का कार्यक्रम तैयार किया है। गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने दो वार्डों में जनसम्पर्क किया। उन्होंने ब्राम्हण पारा एवं सदर बाजार वार्ड में कांग्रेस उम्मीदवार आकाश शर्मा के पक्ष में खुद वोटरों को समर्थन के पर्चे बांटे और पार्टी के लिए वोट मांगा। भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव 9 और 10 नवंबर को वार्डों में जनसंपर्क करेंगे।

वहीं विधायक और पूर्व विधायकों को विभिन्न वार्ड में जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस ने सभी वार्ड में कार्यालय और वहां पर नेताओं को मौजूद रहने कहा है। सभी वार्ड प्रभारी को इन नेताओं के घर-घर जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तय करने कहा गया है। डॉ. महंत इस दौरान ब्राम्हणपारा में कुछ लोगों के घर भी गए जहां उनका कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। अवधिया समाज द्वारा स्वागत व भेंट मुलाकात की गई।

मंत्री-विधायकों ने किया सुनील सोनी के पक्ष में प्रचार-प्रसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव को लेकर गुरुवार को राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने पुरानी बस्ती क्षेत्र, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने लाखेनगर क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। इसी तरह रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड में चुनाव प्रचार किया। साथ ही अजय चंद्राकर, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने भी रायपुर दक्षिण प्रत्याशी सुनील सोनी के समर्थन में दक्षिण के विभिन्न वार्डों में सघन जनसंपर्क किया। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भाजपा उम्मीदवार सुनील सोनी के पक्ष में मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड और शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड

में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। रोड शो की शुरुआत संतोषी नगर चौक से हुई, जहां बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। रोड शो का समापन चक्रधारी मोहल्ला-नहरपारा में हुआ। यहां सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उपचुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ का निर्माण, भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के अथक प्रयासों का नतीजा है।

बिरसा मुंडा जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम 14 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 14 एवं 15 नवंबर को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में राज्य स्तरीय भव्य आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जनजातीय गौरव दिवस, आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान और बलिदानों को सम्मानित करने तथा आमजन एवं भावी नागरिकों को उनके बलिदान से प्रेरणा लेने के लिए मनाया जाता है। वर्ष 2021 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 15 नवंबर को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में इसे जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया था, तभी से प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। राज्य स्तर पर जनजातीय गौरव दिवस के व्यापक आयोजन के संबंध में प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम आयोजन की आवश्यक तैयारियों के संबध में निर्देशित किया गया है।

- 14-15 नवंबर को साइंस कॉलेज परिसर में होगा

प्रदेश में 30 प्रतिशत से अधिक आदिवासी

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बाहुल्य राज्य है जनगणना 2011 के अनुसार कुल जनसंख्या का लगभग 30.62 प्रतिशत आदिवासी निवास करते हैं। इसके अलावा राज्य में 43 प्रमुख जनजातियां एवं 162 उप जातियां हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से जनजातीय महापुरूषों के कार्यों तथा बलिदान के गौरवपूर्ण स्मरण के साथ ही आदिवासियों के हितों का संरक्षण एवं इन्हें प्रोत्साहित करने का अवसर मिलेगा। इस हेतु जिला स्तर पर भी कार्यकम आयोजित किये जाएंगे एवं राज्य स्तर पर भी वृहद रूप से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

दक्षिण उपचुनाव के बाद गरजेगा तोड़दस्ता, अवैध निर्माण पर चलेगा बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण उपचुनाव के बाद नगर निगम का तोड़दस्ता एक बार फिर गरजेगा। निगम आयुक्त के निर्देश पर दस जोन में यह कार्रवाई होगी। इसमें नगर निगम से अनुमति लिए बिना कराए गए अवैध निर्माण को ढहाया जाएगा। खासकर 2 हजार वर्गफीट से अधिक क्षेत्र में अवैध निर्माण कर व्यावसायिक उद्देश्य से दुकान, गोदाम और मकान बनाने वालों को सूचीबद्ध कर तोड़फोड़ की कार्रवाई करने की तैयारी है।

- तीन बार नोटिस के बाद भी निर्माण कराने वाले टारगेट में

2 हजार वर्गफीट से अधिक के अवैध निर्माण पर कार्रवाई

अवैध प्लाटिंग वाली 13 जगहों पर रजिस्ट्री रोकने पत्र

सूत्रों के मुताबिक अवैध प्लाटिंग के जरिए कालोनी बसाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए रजिस्ट्री कार्यालय में रजिस्ट्रार को आयुक्त के माध्यम से पत्र भेजा गया है। 2 माह में 13 अलग-अलग जगहों की रजिस्ट्री रोकने का आग्रह करते हुए चिट्ठी गई है। इसमें आउटर में स्थित जोन 8 के जरवाय, जोन 10 में अमलीडीह, देवपुरी और जोन 9 में जोरा के साथ जोन 6 क्षेत्र के भाठागांव और मठपुरैना क्षेत्र की जमीनों की रजिस्ट्री पर रोक लगाने कहा गया है।

अवैध निर्माण पर बुलडोजर

शहर के बीच और आउटर एरिया में अवैध प्लाटिंग कर व्यावसायिक प्रयोजन से गोडाउन, दुकान व मकान बनाने वालों पर जल्द तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी। 2 हजार से अधिक एरिया में निगम की अनुमति लिए बिना कराए गए व्यावसायिक निर्माण पर फोकस कर रहे हैं।

- आभाष मिश्रा, नगर निवेशक, नगर निगम रायपुर

शहर के अंदरूनी हिस्सों और आउटर के इलाकों में अवैध प्लाटिंग और नगर निगम की अनुमति लिए बिना अवैध निर्माण को रोकने निगम प्रशासन अब एक्शन मोड में नजर आएगा। इसके लिए 10 जोन में अवैध निर्माण करने वालों को सूचीबद्ध कर नोटिस जारी किया जा रहा है। तीन बार नोटिस के बाद भी इसकी अनदेखी कर निगम क्षेत्र में व्यावसायिक प्रयोजन से मकान, दुकान और गोदाम निर्माण करने वालों पर निगम प्रशासन तोड़फोड़ की कार्रवाई करेगा।

खबर संक्षेप

कैट ने किया ईडी की कार्रवाई का स्वागत

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने अमेजन, फ्लिपकार्ट पर ईडी की कार्रवाई का स्वागत किया है। राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन ने संयुक्त रूप से कहा भारत एक सशक्त लोकतांत्रिक देश है, जो कानून और संविधान द्वारा शासित है। किसी को भी इन कानूनों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कैट और अन्य व्यापारिक संगठनों ने पिछले कुछ वर्षों से इन मुद्दों को उठाया है। कैट प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई सही दिशा में उठाया गया कदम है। इससे पहले, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने भी अमेज़न, फ्लिपकार्ट और उनके पसंदीदा विक्रेताओं को छोटे व्यापारियों और किराना दुकानों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए जुर्माने का नोटिस जारी किया था।
श्री पारवानी ने कहा, विदेशी निवेश नियमों के उल्लंघन और क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा अपनाए गए प्रतिस्पर्धा-विरोधी उपायों के संबंध में व्यापारिक समुदाय द्वारा दर्ज की गई शिकायतों के जवाब मेंसीसीआई और ईडी से अपील करते हैं कि वे तेजी से कार्रवाई करें।

पुणे व अमृतसर के बीच आज चलेगी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

रायपुर। त्योहारी सीजन में ट्रेनों की अतिरिक्त भीड़ कम करने और यात्रियों को राहत देने के लिए रेलवे ने बिलासपुर से हडपसर, पुणे और दुर्ग से अमृतसर के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इससे नियमित ट्रेनों में भीड़ का दबाव भी कम होगा। बिलासपुर से हडपसर के लिए 08295 नंबर के साथ ट्रेन 8 नवंबर को रवाना होगी। बिलासपुर से 14:00 बजे छूटकर रायपुर 15:30 बजे, दुर्ग 16:25 बजे, गोंदिया 18:21 बजे, नागपुर 20:40 बजे, बडनेरा 23:35 बजे, अकोला रात 12:45 बजे, भुसावल 3:00 बजे, मनमाड़ 5:35 बजे, कोपरगांव 6:35 बजे, अहमदनगर 8:30 बजे, दौंड कार्ड केबिन 10:20 बजे पहुंचकर नौ नवंबर को 13:00 बजे हड़पसर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में हड़पसर से बिलासपुर के लिए 08296 नंबर के साथ नौ नवंबर को 15:00 बजे रवाना होगी।

निधन

ठा. भूपेंदर सिंह तंवर

रायपुर। कोटा निवासी ठा. भूपेंदर सिंह तंवर (62) का निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार 8 नवंबर को महादेवघाट श्मशानघाट में किया जाएगा। वे अवतार सिंह तंवर और मनमोहन सिंह तंवर के पिता थे।

जयंतीलाल चौहान

रायपुर। फाफाडीह चौक निवासी जयंतीलाल भाणनी भाई चौहान का 6 नवंबर को निधन हो गया। उनकी

अंतिम यात्रा 8 नवंबर को सुबह 10.30 बजे उनके निवास से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे प्रभा चौहान के पति व हर्षदा अग्निहोत्री, भावना चावड़ा, कविता चावड़ा, भारती राठोड़ के पिता थे।

खम्हारडीह -कचना क्रासिंग में रोज फंसने वाले तीन लाख लोगों से जुड़ा मसौदा

कचना ओवरब्रिज बनाने में फिर लगा ब्रेक, सौ मीटर के दायरे में काम करने परमिशन का पेंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

कचना ओवरब्रिज निर्माण की रफ्तार पर फिर ब्रेक लग गया है। अब रेलवे से सौ मीटर एरिया में काम करने के लिए पीडब्ल्यूडी को परमिशन लेनी होगी। अटकलें लगाई जा रहीं कि इसका असर मार्च 2025 में निर्माण को पूरा करने के लिए तय समय भी आगे बढ़ने वाला है। इसके पहले अवैध कब्जे व बिजली शिफ्टिंग का मसौदा सुलझाने में विलंब होने से एजेंसी तय करने के लिए इंतजार करना पड़ा। अभी बचा हुआ काम पूरा करने में भी ड्राइंग-डिजाइन को एप्रूव्ड करवाने में समय लगने वाला है।

राजधानी के आउटर इलाके से जुड़े एरिया को जोड़ने वाले इस ओवरब्रिज के बनने का इंतजार तीन लाख से ज्यादा लोग कर रहे हैं। कचना रेलवे क्रॉसिंग पर खम्हारडीह, कचना, वीआईपी एस्टेट, अशोका टावर से आने वाले लोगों को रेलवे क्रॉसिंग पर जाम से अभी और जूझना पड़ेगा। इससे क्षेत्र के 10 वार्डों में रहने वाली करीब तीन लाख आबादी का सरोकार है। इस ओवरब्रिज को बनाने के लिए टेंडर 39 करोड़ का था। वहीं एजेंसी 35 करोड़ में ही बनाएगी। बता दें कि कचना ओवरब्रिज के लिए पीडब्ल्यूडी ने 39 करोड़ का टेंडर जारी किया था। साढ़े दस प्रतिशत बिलो भरने वाली कंपनी को टेंडर मिला है। ठेका लेने वाली कंपनी 35 करोड़ में ही ओवरब्रिज का निर्माण करेगी।

दोनों तरफ लग रहा ट्रैफिक जाम

रेलवे फाटक पर हर दिन लोग परेशान होते हैं। वहीं रेलवे के दायरे वाले हिस्से में ब्रिज निर्माण करने के लिए ड्राइंग-डिजाइन की मंजूरी रेलवे से लेना पड़ता है। लेकिन दो-तीन माह बीत जाने के बाद भी मंजूरी नहीं मिली है। परमिशन मिलने के बाद ही निर्माण में तेजी आएगी। यह रेलवे फाटक रायपुर-वाल्टेयर रेलवे लाइन पर है। रेल लाइन का दोहरीकरण हो चुका है। ऐसे में खतरा ज्यादा बढ़ गया है। ट्रेनों की आवाजाही से फाटक बंद होने से लोग दोनों तरफ लंबे जाम में फंस रहे हैं।

परमिशन तो लेनी ही होगी

रेलवे फाटक से होकर ओवरब्रिज का निर्माण होना है। इसे देखते हुए रेलवे की तकनीकी टीम से परमिशन तो लेनी होगी। निर्माण पर कोई असर न पड़ने पाए यह प्रयास भी कर रहे है। इसके मद्देनजर परमिशन भी लेंगे।

- एमएल उरांव, सीई, सेतु विभाग, रायपुर

रेलवे से परमिशन का इंतजार

इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने ठेका एजेंसी को 18 महीने का समय दिया है, यानी एजेंसी को 27 सितंबर 2023 को जारी हुए वर्क आर्डर के मुताबिक मार्च 2025 तक काम पूरा करना है। वर्तमान में कचना की तरफ चार पिलर कैप तैयार हैं। अब इन पर वीम डालने की तैयारी है। ठेका एजेंसी पटरी के किनारे का काम छोड़कर खम्हारडीह की तरफ से काम शुरू किया है। वर्तमान में कचना की तरफ चार पिलर तैयार किया है। ऊपर वीम डालने से पहले रेलवे से परमिशन का पेच फंसा है।

रेलवे लगाएगा अंतिम मुहर

पिछले कुछ सालों में दर्जनभर से अधिक कॉलोनियों का डेवलपमेंट हुआ है। इसको देखते हुए करोड़ों रुपए की लागत से ओवरब्रिज का निर्माण तो शुरू कराया गया है, मगर लोगों का इंतजार फिर बढ़ने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। शहर के खम्हारडीह-कचना रेलवे फाटक पर हर दिन लोग परेशान हो रहे हैं। इस फाटक पर ओवरब्रिज का निर्माण पिछले छह-सात महीने से चल रहा है, लेकिन काम में तेजी नहीं है। पीडब्ल्यूडी की ड्राइंग-डिजाइन पर अंतिम मुहर रेलवे की लगनी है।

तेज रफ्तार कई दोपहिया वाहनों को रौंदते हुए ट्रांसफार्मर में टकराने के बाद रुकी कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- कार भिलाई निवासी एनएसयूआई नेता की बताई जा रही
- पुलिस तीन लड़कों को हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ

आजाद चौक थाना क्षेत्र में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक तेज रफ्तार स्कार्पियो कार के चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए कई दोपहिया वाहन को रौंदा और ट्रांसफार्मर में जाकर टकराने के बाद रुका। घटना के समय कार चालक के नशे में धुत्त होने की बात सामने आई है। कार भिलाई निवासी किसी एनएसयूआई नेता की बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक कार सीजी 07 सीआर 9399 के चालक ने ब्राम्हण पारा मार्ग की गलियों में तेज रफ्तार कार चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी आधा दर्जन से ज्यादा दोपहिया वाहन को रौंदते हुए ट्रांसफार्मर में जाकर टकरा गया। कार की चपेट में आए दोपहियों का कचूमर निकल गया। इस दौरान कुछ लोगों ने तेज आवाज सुनकर उठकर देखा और घटना की जानकारी

पुलिस को दी, लेकिन पुलिस ने किसी तरह से कोई रिस्पांस नहीं किया। कार जाकर ट्रांसफार्मर में टकराई तब पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर कार सवार लोगों को बाहर निकाला। कार में कौन लोग सवार थे, पुलिस ने इस संबंध में कुछ भी नहीं बताया है।

गंभीर दुर्घटना टली

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार काफी तेज रफ्तार में थी। देर रात होने की वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना एक दो घंटे पहले होती, तो गंभीर घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता था। फिलहाल पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। साथ ही कार चालक के बारे में जानकारी जुटाने की बात कह रही है।

स्नातक में 20 नहीं बल्कि सिर्फ 10 नंबर के होंगे वैकल्पिक सवाल, खुद ही बनाने पड़ेंगे कॉलम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

वैकल्पिक सवालों के सहारे परीक्षाओं में अच्छे अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों के लिए इस बार राह आसान नहीं होगी। इसकी वजह परीक्षा में पूछे जाने वाले वैकल्पिक सवालों में दिए जाने वाले अंकों में कटौती है। छात्रों से वैकल्पिक सवाल तो 10 ही पूछे जाएंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें 20 की जगह 10 अंक मिलेंगे। रविवि द्वारा इसके पहले तक प्रति प्रश्न 2 अंक छात्रों को दिए जाते थे, लेकिन अब एक अंक प्रति प्रश्न विद्यार्थियों को दिए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षाओं के अंकों में किए गए बंटवारे के बाद फॉर्मेट में यह बदलाव किया गया है।

अब तक सैद्धांतिक परीक्षा 80 अंकों की तथा प्रायोगिक परीक्षा 20 अंकों की होती थी। इसे बदलकर क्रमशः 70 और 30 अंक कर दिए गए हैं। सैद्धांतिक परीक्षा के अन्य सेक्शन के अंक तो पूर्ववत ही रहेंगे, लेकिन वैकल्पिक सेक्शन में 20 की जगह 10 अंक मिलेंगे। गौरतलब है कि वैकल्पिक सवालों के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रश्न के एक से अधिक विकल्प दिए जाते हैं, जिसमें से सही उत्तर का चुनाव उन्हें करना होता है।

खास बातें

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, अब प्रायोगिक परीक्षाएं 30 और सैद्धांतिक 70 अंकों की
- वैकल्पिक प्रश्नों की संख्या पूर्ववत ही, लेकिन इस बार मिलेंगे कम अंक

अगले सत्र से उत्तरपुस्तिकाओं में बदलाव

स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षाओं में भी विद्यार्थियों से वैकल्पिक सवाल पूछे जाते हैं। विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली उत्तरपुस्तिका में इसके लिए पहले से खंड बने होते हैं। चार खानों में से सही उत्तर वाले खाने में विद्यार्थियों को सही का निशान लगाना पड़ता है। स्नातक स्तर पर इस तरह की व्यवस्था नहीं होगी। विद्यार्थियों को बगैर खाने वाली सामान्य उत्तरपुस्तिका ही दी जाएगी, जिसमें उन्हें स्वयं ही प्रश्न क्रमांक का जिक्र कर उत्तर लिखने होंगे। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, अगले सत्र से सेमेस्टर परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं में भी बदलाव किए जाएंगे और इन्हें स्नातकोत्तर पैटर्न में ही तैयार किया जाएगा।

महाविद्यालयों को पूर्व में ही सूचना

बदले हुए परीक्षा पैटर्न की महाविद्यालयों को सत्र प्रारंभ होते ही सूचना प्रदान कर दी गई थी, ताकि छात्रों व अध्यापकों को किसी तरह की समस्या का सामना परीक्षा के दौरान ना करना पड़े। नए पैटर्न के आधार पर कॉलेजों द्वारा विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी करवाई जा रही है। एनईपी के तहत स्नातक स्तर की पहली सेमेस्टर परीक्षाएं दिसंबर-जनवरी में होगी। इसके लिए प्रश्नपत्र सेटिंग सहित अन्य प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं।

छत्तीसगढ़ियों ने त्योहारी सीजन में खरीदा तीन टन सोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवरात्रि से दीपावली तक के त्योहारी सीजन में इस बार छत्तीसगढ़ियों ने तीन टन सोना खरीदा है। इसी के साथ थोक में चांदी भी ली गई है। प्रदेश में तीन हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है। इसमें से ढाई हजार करोड़ का कारोबार सोने का हुआ है। सोने की कीमत इस बार 80 से 82 लाख रुपए किलो रही है। जहां तक चांदी का सवाल है, तो चांदी एक लाख रुपए किलो तक गई। चांदी का कारोबार भी पांच सौ करोड़ से ज्यादा का हुआ है। त्योहारी सीजन में इस बार हर सेक्टर में जमकर लक्ष्मी जी की कृपा बरसी है। प्रदेश में सबसे ज्यादा कारोबार सराफा में हुआ है। वैसे भी लोग सोने और चांदी की खरीदी ज्यादा करते हैं। इस बार सोने की कीमत ज्यादा होने के बाद भी सोने के प्रति लोगों का रुझान कम नहीं हुआ और सोने के जेवरों की सबसे ज्यादा खरीदी हुई है। इसके पीछे का कारण यह है कि अब सोने के जेवरों में हॉलमार्किंग होने के कारण इसकी शुद्धता की गारंटी हो गई है।

पुष्य नक्षत्र और धनतेरस पर ज्यादा खरीदारी

यूं तो छत्तीसगढ़ में सराफा बाजार में 50 से 60 करोड़ का कारोबार रोज होता है। इसमें से 50 फीसदी कारोबार निवेशकों का है। निवेशक 20 से 25 करोड़ का सोना खरीदते हैं। रोज की बिक्री ही करीब एक माह में 15 सौ करोड़ से ज्यादा की हो जाती है। इस बार दो हजार करोड़ का कारोबार तो पुष्य नक्षत्र और धनतेरस पर ही हुआ है। सोने की बढ़ती कीमत के कारण शादियों के लिए जमकर खरीदारी हुई है।

तीन हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार

इस बार त्योहारी सीजन में दीपावली तक छत्तीसगढ़ में तीन हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है। सोने की बढ़ती कीमत के कारण निवेशक भी लगातार खरीदारी कर रहे हैं।

- कमल सोनी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन

यह है तीन टन सोना बिकने का गणित

सोने की कीमत दीपावली के समय और उससे पहले 80 से 82 हजार के बीच रही है। यानी सोने की कीमत 80 से 82 लाख रुपए किलो रही। इस कीमत से हिसाब लगाया जाए तो दीपावली तक सोना तीन हजार किलो, यानी तीस क्विंटल मतलब तीन टन बिका है। कारोबारियों ने दीपावली तक तीन हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद की थी, लेकिन कारोबार इससे ज्यादा का हुआ है। ऐसे में औसत 80 लाख के हिसाब से 3000 किलो सोने की कीमत 24 सौ करोड़ होती है। इतने का सोना आराम से बिका है। चांदी की खरीदारी सोने की तुलना में बहुत कम हुई है। वैसे निवेशक भी रोज पांच करोड़ का निवेश जरूर चांदी में भी करते हैं। इसी के साथ चांदी के बर्तन, जेवर भी बिके हैं। चांदी कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी के मुताबिक सीजन में चांदी की बिक्री पांच सौ करोड़ से ज्यादा की हुई है।

आम सूचना

(वाके मौजा मंदिर हसौद, प.ह.नं. 00016, रा.नि.मं. मंदिर हसौद तहसील आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित ख.नं. 1231/2, 1231/5, 1231/7, 1262/4 एवं 1262/6, रकबा क्रमशः 0.1700 हे., 0. 0400 हे., 0.0610 हे., 0.1210 हे. एवं 0.3600 हे. भूमि के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेतागण (1) परमानंद यादव पिता कलानाथ यादव (2) श्रीमती मतीबाई यादव पति स्व. गजानंद यादव (3) लक्ष्मीनारायण यादव पिता स्व. गजानंद यादव (4) लक्ष्मण यादव पिता स्व. गजानंद यादव (5) रूपनारायण यादव पिता स्व. गजानंद यादव (6) गिरधारी लाल यादव पिता स्व. गजानंद यादव (7) जगन्नाथ यादव पिता कलानाथ यादव सभी निवासी बजरंग चौक वार्ड क्र. 17, तह. मंदिर हसौद जिला रायपुर छ.ग. के शामिलात स्वामित्व की संपत्ति जो वाके मौजा मंदिर हसौद, प.ह.नं. 00016, रा.नि.मं. मंदिर हसौद तहसील आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित ख.नं. 1231/2, 1231/5, 1231/7, 1262/4 एवं 1262/6, रकबा क्रमशः 0.1700 हे., 0. 0400 हे., 0.0610 हे., 0.1210 हे. एवं 0.3600 हे. में स्थित है को क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्याना राशि प्रदान किया गया, मात्र विक्रय पंजीयन शेष था। जिसे विक्रेतागण ने मेरे पक्षकार के ईकरारशुदा संपत्ति को अतिरिक्त राशि प्राप्त करने की मंशा से, मेरे पक्षकार के जानकारी के बिना क्रेतागण (1) विमल कुमार अग्रवाल पिता शिवकुमार अग्रवाल दोनों निवासी- समता कालोनी पाण्डेय नर्सिंग होम के सामने रायपुर छ.ग. (2) आशीष अग्रवाल पिता शिवकुमार अग्रवाल (3) पवन कुमार अग्रवाल (4) विकास अग्रवाल दोनो पिता बाबूलाल अग्रवाल दोनो निवासी- वी-9, दूसरा मंजिल, खम्हारडीह रोड, शंकर नगर रायपुर जिला रायपुर छ.ग. को विक्रय किया गया, जिसकी जानकारी पश्चात मेरे पक्षकार ने सभी विक्रेतागण एवं वर्तमान क्रेतागण के विरुद्ध उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में एक व्यवहार वाद क्रमांक 467ए/24, पक्षकार हितराज विरुद्ध परमानंद वगैरह न्यायालय श्रीमान प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश जिला रायपुर (छ.ग.) के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो वर्तमान में विचाराधीन होकर लंबित है। ऐसी दशा में यदि उपरोक्त प्रकरण के निपटारा होने तक उक्त वर्णित संपत्ति / भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक, वित्तीय संस्थान, साहूकार, शासकीय एवं अर्धशासकीय विभाग इत्यादि द्वारा क्रय, विक्रय, अंतरण, हस्तांतरण, दान इत्यादि किया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी स्वयं की होगी जो मेरे पक्षकार के ऊपर बंधनकारी नही होगा। सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 07/11/2024

(साहेब लाल वर्मा)
नीलकंठ साहू अधिवक्तागण
Add: H.NO. 10, Block- 47 2nd Floor Housing Board Colony, Dharmpura, Raipur (C.G.) Mob: 09260-66979

फार्मेट सी-1
आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितंबर, 2018 के निर्णय के अनुसार) (पब्लिक इंट्रेस्ट फाउंडेशन और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य)

अभ्यर्थी का नाम और पताः आकाश शर्मा, मकान नंबर 115, वी. एल. एम. स्कूल के पास, ओम सोसायटी, सुन्दर नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ 492013

राजनैतिक दल का नामः- इंडियन नेशनल कांग्रेस
निर्वाचन का नाम-
विधान सभा-
निर्वाचन क्षेत्र का नाम- 51 - रायपुर नगर दक्षिण

मैं आकाश शर्मा (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता हूं- **(क) लंबित आपराधिक मामले- क्र.सं. (1) न्यायालय का नाम-** न्यायालय श्रीमान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, रायपुर, छत्तीसगढ़, **मामले की सं. एवं तारीख-** 22283/2013, **मामले (मामलों) की स्थिति-** लंबित, **संबंधित अधिनियमों की धारा (धाराएं) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण-** धारा 353, 186, 188, 332, 147, 148 भारतीय दण्ड विधान एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने का आरोप ।

2. न्यायालय श्रीमान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, रायपुर, छत्तीसगढ़, 20471/2015, लंबित, धारा 147, 149, 427 भारतीय दण्ड विधान, धारा 03 लोक सम्पत्ति नुकसान निवारण अधिनियम एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने का आरोप ।

3. न्यायालय श्रीमान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, रायपुर, छत्तीसगढ़, 4884/2018, लंबित, धारा 147, 353, 186, 332, 427 भारतीय दण्ड विधान एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने का आरोप ।

4. न्यायालय श्रीमान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, रायपुर, छत्तीसगढ़, -2794/2018, लंबित, धारा 147, 321, 294 भारतीय दण्ड विधान एवं बल्वा, स्वेच्छया उपहति करने का आरोप।

पेज 11 के शेष...

प्राध्यापकों की पूरी...

जेल में अपनी सेवाएं देंगे। इस बार पं.रविशंकर शुक्ल विवि की परीक्षा के लिए केंद्रीय जेल रायपुर के 81 कैदियों ने फॉर्म भरे हैं। इनमें स्नातक तथा स्नातकोत्तर दोनों ही छात्र शामिल हैं।

इसलिए फैसल...

कक्षाएं संचालित की जाती रही हैं, लेकिन उस वक्त नियमित रूप से लंबे समय तक कक्षाएं संचालित करने के स्थान पर सब्जेक्ट काउंसिलिंग और डाउट क्लियर करने की ही व्यवस्था होती थी। इग्नू के अधिकारी भी यहां अपनी सेवाएं देते रहे हैं।

रेलवे का दावा- हर...

कोच के अटेंडर का कहना है कि जो कंबल अधिक गंदा हो जाता है, उसे ही अगले दिन सफाई के लिए दिया जाता है। उनका तर्क है कि एक कंबल एक ट्रिप में खराब नहीं होता, इसलिए हर दिन कंबल को नहीं बदला जाता। रेलवे के अनुसार यह गलत है। जब हरिभूमि ने जोन की विभिन्न ट्रेनों में मिलने वाले कंबलों की पड़ताल की, तो पता चला कि लंबी लंबी दूरी की ट्रेनों में एक ट्रिप में एक कंबल को दर्जन से अधिक उपयोग करते हैं। छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में बिलासपुर से ट्रेन में कंबल चढ़ता है, जिसके बाद सफाई किया हुआ नया कंबल तब चढ़ता है, जब यह ट्रेन लौटकर बिलासपुर आती है। यह ट्रेन बिलासपुर से अमृतसर 42 घंटे में पहुंचती है और उतना ही समय लौटने में लगता है। अर्थात 96 घंटों के बाद नया कंबल ट्रेन चढ़ाया जाता है। इस बीच उसी कंबल को अन्य यात्रियों को इस्तेमाल के लिए दिया जाता है।

दीपावली में इस बार...

प्रॉपर्टी की खरीदी करने के कारण पंजीयन विभाग की भी जमकर आय हुई है। दीपावली में धनतेरस के सप्ताहभर पहले से ही प्रॉपर्टी खरीदी करने वालों ने रजिस्ट्री कराना शुरू कर दी थी, जिसके कारण पंजीयन विभाग के ऑनलाइन एप में अपॉइटमेंट भी सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा लिए गए थे। 23 अक्टूबर से लक्ष्मीपूजा के एक दिन पूर्व 30 अक्टूबर तक 1514 लोगों ने प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने के लिए ऑनलाइन अपॉइटमेंट लिया था। इन सभी की रजिस्ट्री भी हुई है, जिससे करीब 26 करोड़ रुपए की आय हुई है।

Health Town

K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुवैद, स्वथ्य जीवन का राज)
वैद्य- डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob: 9111922122, 9111912122, 0771-3558564
पता :- B-22, जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(22 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

Trust the Expert
DR. MANOJ AGARWALA'S SKIN & HAIR CLINIC
डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर)
(गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं: मुहांसे ❖ सोरायसिस ❖ स्किन एलर्जी ❖ पिगमेंटेशन
विटिलिगो/ ल्यूकोडरमा ❖ पीआरपी थेरेपी ❖ एलोपेसिया
अर्टीकेरिया ❖ फंगल इनफेक्शन ❖ टेली कंसलटेशन ❖ लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.)
0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

सात किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने मध्यप्रदेश के दो गांजा तस्करों के कब्जे से 70 हजार रुपए कीमत का सात किलो गांज जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक, गांजा तस्करी के आरोप में मध्यप्रदेश सीधी निवासा हीरालाल साहू तथा दमोह निवासी मोती रायकवार को गिरफ्तार किया गया है। दोनों तस्कर ओडिशा से गांजा तस्करी कर मध्यप्रदेश ले जाने की फिराक में बस टर्मिनल जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने तस्करों को राधास्वामी नगर के पास ट्रेस कर पकड़ा।

सेवानिवृत्त शिक्षक से साढ़े 33 लाख की ठगी

रायपुर। मुजगहन थाने में एक सेवानिवृत्त शिक्षक ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ ऑनलाइन निवेश में भारी मुनाफा मिलने के झांसा देकर 33 लाख 57 हजार रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, चंद्रमणि पाण्डेय के पास अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर खुद को प्रोफेसर बताया। जालसाज ने चंद्रमणि को शेयर बाजार में ऑनलाइन निवेश करने पर भारी मुनाफे का झांसा देकर किस्तों में पैसे जमा कराकर ठगी का शिकार बनाया।

कलेक्ट्रेट परिसर से साउंड सिस्टम चोरी शातिर गिरफ्तार

रायपुर। कलेक्ट्रेट परिसर से साउंड सिस्टम चोरी करने वाले शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यश एलईडी टेक्नोलॉजी के स्टोर कीपर गिरीश चंद्र श्रीवास्तव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 15 अगस्त त्योहार के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के टाउनहॉल में साउंड सिस्टम लगाया था, जिसे अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फूटेज का अवलोकन करने के साथ ही अज्ञात आरोपी की पतासाजी के लिए मुखबिर भी लगाए। इस दौरान टीम के सदस्यों को घटना में संलिप्त आरोपी के संबंध में सूचना मिली। तब गोलू पटेल को पकड़कर पूछताछ करने पर उसने चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से 2 नग साउंड बॉक्स एवं एक ऑडियो मिक्सर कीमत 1 लाख 1 हजार रुपए जब्त किए गए।

बीएसयूपी कॉलोनी में दबिश

रायपुर। थाना सरस्वती नगर क्षेत्र के बीएसयूपी कॉलोनी कोटा, थाना डीडीनगर क्षेत्र के बीएसयूपी कालोनी सरोना, थाना पुरानी बस्ती क्षेत्र के बीएसयूपी कॉलोनी भाठागांव, थाना टिकरापारा क्षेत्र के बीएसयूपी कॉलोनी भाठागांव एवं थाना तेलीबांधा क्षेत्र के बीएसयूपी कॉलोनी में गुण्डा बदमाश, निगरानी बदमाश, संदिग्ध व्यक्ति, असामाजिक तत्वों, वारंटियों एवं अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों सहित पुराने अपराधियों के विरुद्ध छापेमार कार्रवाई की गई। कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को संबंधित थानों में लाकर पूछताछ व तसदीक की जा रही है।

सीएम साय बोले- व्यास जी का निधन कर्मठता और सादगी के एक युग के अवसान जैसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, हम सबके अभिभावक और पथ प्रदर्शक, मध्य क्षेत्र के पूर्व क्षेत्र प्रचारक, पूर्व सांसद गोपाल व्यास के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोकाकुल हूं। वृहद भाजपा परिवार के भी प्रेरणापुंज 'शीरू भैया' का निधन वास्तव में त्याग, तपस्या, कर्मठता और सादगी के एक युग का अवसान जैसा ही है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, स्वर्गीय श्री व्यास का सम्पूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, सिद्धांतों और भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के लिए समर्पित रहा। वे समूचे संघ-परिवार के लिए अनुकरणीय हैं। श्री व्यास को श्रद्धांजलि देने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल और भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय उनके निवास पहुंचे। श्री साय ने कहा, व्यास जी का संपूर्ण जीवन न केवल समाजसेवा को समर्पित रहा, अपितु देहावसान के उपरांत उनका शरीर भी समाज के काम आएगा। अंतिम संस्कार के रूप में 'देहदान' का निर्णय वैसा ही है जैसे ऋषि दधीचि ने अपना अस्थि तक दान कर दिया था।

■ पूर्व सांसद गोपाल व्यास को श्रद्धांजलि देने पहुंचे भाजपा नेता

निष्कलंक, निष्पाप, स्वयंसेवक स्व. व्यास जी की सरलता हम राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए भी पाथेय है। उनकी सादगी ऐसी थी कि सांसद रहते हुए भी रेल आरक्षण कराने वे स्वयं टिकट काउंटर पर कतार में खड़े हो जाते थे। भाजपा सदस्यता अभियान के तहत व्यास जी को सदस्य बनाने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा स्वयं उनके आवास पहुंचे थे, तब ही अंतिम बार शीरू भैया से मिलना हुआ था। उनका समूचा जीवन संदेश की तरह रहा। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर, उनके मार्ग का अनुसरण कर ही हम उनकी स्मृति को अक्षुण्ण रख सकते हैं।

आकाश-दीप बनकर प्रेरणा प्रदान करेंगे

भाजपा नेताओं ने श्री व्यास के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और इस कठिन समय में परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कर उन्हें सांत्वना दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने व्यास-परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदना प्रकट करते हुए कहा, आरएसएस के वैचारिक अधिष्ठान को आत्मसात कर आजीवन राष्ट्रीयता की अलख जगाने में जुटे रहे स्व. व्यास भाजपा के राज्यसभा सांसद रहते हुए राजनीतिक मर्यादा और सादगी का जो आदर्श प्रस्तुत किया है, वह सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए आकाश-दीप बनकर प्रेरणा प्रदान करेगा।

कारोबारी गतिविधि सेंट्रलाइज्ड होने की वजह से भी लग रहा जाम

शहर में जिस रफ्तार से वाहन बढ़ रहे, उस स्तर पर सड़कों का चौड़ीकरण, विस्तार नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राज्य बनने के बाद जिस तेजी के साथ रायपुर का विकास हुआ है, उसी तेजी के साथ शहर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ा है। राजधानी बनने के पूर्व रायपुर में वाहनों की संख्या 35 हजार थी। वर्तमान में रायपुर में आबादी बढ़ने के साथ वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में रायपुर जिले में कार के साथ बाइक की संख्या 17 लाख है। इसके साथ ही अन्य राज्य तथा शहर से यहां काम करने तथा खरीदी करने आने वाले लोगों की वाहनों की संख्या तीन लाख से ज्यादा होने का अनुमान ट्रैफिक पुलिस को है। इस लिहाज से रायपुर की सड़कों में प्रति दिन 20 लाख से ज्यादा वाहनों का दबाव है।

नगर निगन, पीडब्लूडी तथा एनएचएआई के रिकार्ड के मुताबिक रायपुर शहर में वर्तमान में गलियों से लेकर मेन रोड में 350 किलोमीटर सड़कें हैं। इस लिहाज से प्रति किलोमीटर पांच हजार सात से ज्यादा वाहनों का दबाव राजधानी की सड़कों पर है। दस वर्ष पूर्व की अपेक्षा शहर में 140 किलोमीटर के करीब सड़कों का विस्तार किया गया है।

चौड़ीकरण के बाद भी राहत नहीं

पिछले एक दशक में तेलीबांधा छोकरा नाला से लेकर टाटीबंध तथा जय स्तंभ से खमतराई, तेलीबांधा से टाटीबंध जाने वाले मार्ग में आधा दर्जन से ज्यादा ब्रिज बनाए गए हैं। इसके साथ है कैनल रोड के साथ एक्सप्रेस वे बनाए गए हैं। बावजूद इसके शहर में ट्रैफिक का दबाव कम होने का नाम नहीं ले रहा।

रायपुर में वाहनों की संख्या 35 हजार से हुई 17 लाख

नई कालोनी निर्माण से इन मार्गों पर दबाव

शहर के आउटर में कई नई कालोनी विकसित हो रही है। इसके चलते शंकर नगर, संतोषी नगर, भाठागांव विधानसभा मार्ग में ट्रैफिक का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसका असर शंकर नगर, खम्हारडीह के साथ ही संतोषी नगर तथा भाठागांव में अब देखने को मिल रहा है। शंकर नगर तथा वीआईपी रोड में शाम के समय सबसे ज्यादा जाम की स्थिति निर्मित होती है।

दस साल में वाहनों की संख्या 35 हजार से बढ़कर पांच लाख पहुंची

छत्तीसगढ़ जब अलग राज्य बना तब रायपुर में वर्ष 2001 में वाहनों की संख्या महज 35 हजार थी। वर्ष 2011 तक वाहनों की संख्या 35 हजार से बढ़कर चार लाख 92 हजार पर पहुंच गई। वर्तमान में वाहनों की संख्या में चार गुना तक वृद्धि होकर 17 लाख हो गई है।

सेंट्रलाइज्ड होने से बढ़ रही परेशानी

कारोबारी गतिविधि से लेकर मनोरंजन स्थान के साथ खाने-पीने के रेस्टोरेंट तथा आम लोगों से जुड़ी अन्य गतिविधियां सेंट्रलाइज्ड है। शहर के लोगों को संबंधित जगह पहुंचने बीच शहर से होकर गुजर कर जाना पड़ता है। इसके चलते भी ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित होती है। उदाहरण के तौर पर मीडिल क्लास परिवार के पहुंच में मरीन ड्राइव रिक्रिएशन पार्क है। मरीन ड्राइव में शहर के सभी क्षेत्र से लोग यहां सैर करने पहुंचते हैं। शहर के अलग-अलग इलाकों में इसी तरह से रिक्रिएशन पार्क होने से लोग तेलीबांधा आने से बचेंगे।

इन मार्गों में सबसे ज्यादा ट्रैफिक दबाव

- जयस्तंभ चौक से गोलबाजार
- गोलबाजार से सिटी कोतवाली
- कोतवाली से बूढ़ापारा बिजली ऑफिस चौक
- कोतवाली से सत्तीबाजार
- शारदा चौक से आमापारा
- फाफाडीह से पीली बिल्डिंग
- पुराना बस स्टैंड से जीवन बीमा मार्ग
- पंडरी कपड़ा मार्केट से लोधीपारा
- मोवा ब्रिज से पंडरी थाना
- तेलीबांधा बाजार से आनंद नगर चौक
- गुरुनानक चौक से स्टेशन
- बढ़ईपारा से राठौर चौक
- एवरग्रीन चौक से बांसटाल
- स्टेशन रोड से तेलघानी नाका चौक

जवाहर बाजार के 14 हॉल 5 साल से खाली, नगर निगम को 14 करोड़ का नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शहर के मालवीय रोड स्थित जवाहर बाजार के दर्जनभर से ज्यादा नए हॉल 5 साल से खाली पड़े हैं। इससे नगर निगम को 14 करोड़ का नुकसान हुआ है। 25 फीसदी प्रीमियम की राशि इसके कारण डंप हो गई है। 12वीं बार निविदा के बाद भी रिस्पांस नहीं मिलने से ये स्थिति बनी है। महंगे हॉल की बेस प्राइज 1.25 करोड़ के आसपास रखी गई है। आवंटन स्वीकृत होने पर 2 फीसदी किराया भी नगर निगम को मिलता।

राजधानी के पहले स्मार्ट बाजार और सबसे खास प्राइम लोकेशन वाले बहुमंजिला जवाहर बाजार व्यावसायिक परिसर के 14 बड़े साइज के नवनिर्मित हॉल के लिए कारोबारी आगे नहीं आ रहे। बाजार विभाग द्वारा इसके लिए 12 बार निविदा निकाली गई, पर प्रापर रिस्पांस नहीं मिलने से 5 साल से हॉल खाली पड़ा है। 30 साल की लीज पर 1400 वर्गफीट से लेकर 2600 वर्गफीट के हॉल बड़े प्रतिष्ठानों के शोरूम या अन्य व्यावसायिक प्रयोजन के उद्देश्य से बनाए गए हैं, जो कि आरक्षण रोस्टर बेस आवंटित किए जाएंगे। इनमें 6 हॉल अनारक्षित, 3 अन्य पिछड़ा वर्ग, 2 अनुसूचित जाति और 2 हॉल अनुसूचित जनजाति, 1 हॉल विधवा परित्यक्ता के लिए आरक्षित है।

■ प्रीमियम की राशि डंप, हॉल के नहीं मिल रहे किरायेदार

रेट रिवाइज के लिए भेजा है

जवाहरबाजार के नवनिर्मित सभी हॉल का पार्टिशन कराया जाएगा। रेट रिवाइज के लिए शासन के पास प्रस्ताव मंजूरी के लिए भेजा गया है।

\- **अबिनाश मिश्रा,** आयुक्त, नगर निगम रायपुर

हॉल को डिवाइड कर दुकान बनाने की आ रही डिमांड : जवाहर बाजार व्यावसायिक कल्याण संघ के अध्यक्ष सुभाष बजाज का कहना है कि जवाहर बाजार को रिनोवेट कराते हुए वहां के व्यावसायिओं की राय नहीं ली गई। यदि उनसे सलाह लेकर दुकान निर्माण कराते, तो ये स्थिति नहीं आती। बड़े साइज के हॉल को छोटा कर यदि उसे दुकान बनाकर आवंटित किया जाए, तो उसे लेने जवाहर बाजार के व्यवसायी हाथों हाथ तैयार हैं। इससे बाजार की रौनक भी बढ़ेगी।

स्मार्ट मीटर का विरोध, मीटर रीडर बेमियादी हड़ताल पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

■ मध्यप्रदेश की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में मीटर रीडरों को विद्युत सहायक कर्मचारी का काम दिए जाने की मांग

■ 5 दिन की सांकेतिक हड़ताल, जिला मुख्यालयों में ज्ञापन सौंपा

प्रदेश में स्मार्ट मीटर के विरोध में मीटर रीडर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। 5 दिन सांकेतिक हड़ताल कर मीटर रीडर मध्यप्रदेश की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में सालों से कार्य कर रहे मीटर रीडरों को विद्युत सहायक कर्मचारी के रूप में काम देने की मांग कर रहे हैं। उनका ये भी कहना है स्मार्ट मीटर लगने से वे बेरोजगार हो जाएंगे।

मीटर रीडर और स्पॉट बिलिंग और मीटर रीडर श्रमिक ठेका कर्मचारी संघ के बैनर तले मीटर रीडर अपने लंबित मांग को लेकर हड़ताल पर चले गए हैं। उनका दावा है कि मीटर रीडरों के हड़ताल पर जाने से स्पॉट बिलिंग का प्रभावित होगा। सालों से विद्युत वितरण कंपनी के अधीन काम कर रहे कर्मचारी मध्यप्रदेश, ओड़ीसा और यूपी की तर्ज पर मीटर रीडरों को छत्तीसगढ़ में नियमित करने की मांग कर रहे हैं। अपनी मांग को लेकर हड़ताली कर्मचारियों ने पहले 5 दिन का सांकेतिक हड़ताल कर जिला मुख्यालयों में ज्ञापन सौंपा।

मीटर रीडरों ने दावा किया है कि राजधानी रायपुर समेत बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और बलौदाबाजार के अलावा सभी जिलों में मीटर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।

नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी 19 से करेंगे जिला स्तरीय बेमियादी हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश के 14 नगर निगम, 50 नगर पालिका, 120 नगर पंचायत के 20 हजार नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी लोक निर्माण, पीएचई व वन विभाग की तर्ज पर निकायों से सीधे वेतन भुगतान की मांग को लेकर 19 नवंबर से जिला स्तरीय बेमियादी हड़ताल पर रहेंगे। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर लामबंद प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांग की अनदेखी से नाराज होकर बेमियादी आंदोलन का ऐलान किया है।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव से पहले प्रदेश के 184 नगरीय निकायों के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। ठेका प्रथा बंद कर निकायों में समायोजन कर एक निश्चित अवधि में नियमित करने, संबंधित निकायों द्वारा प्लेसमेंट कर्मचारियों के बैंक खाते में वेतन भुगतान मांग कर रहे हैं। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय ऐडे ने कहा है कि हमने राज्य शासन से लगातार मांग की है कि नगरीय निकायों में प्लेसमेंट ठेका प्रथा को तत्काल बंद किया जाए और प्रदेशभर के 20 हजार नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारियों को निकायों में 5 से 10 साल सेवा उपरांत समायोजन किया जाए। साथ ही शासन द्वारा 13 मार्च 2024 को गठित बारिक समिति में महासंघ के पदाधिकारियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। इसके बाद भी शासन स्तर पर नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

■ 3 सूत्रीय मांग

इसलिए 19 नवंबर से जिला स्तर पर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर शासन का ध्यान आकर्षित कराया जाएगा।

मोबाइल चोरी के बाद पेमेंट एप से अकाउंट खाली कर रहे चोर

■ राजधानी के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में तीन घटनाएं हो चुकीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मोबाइल चोरी की घटना को अंजाम देने वाले शातिर केवल मोबाइल चोरी तक सीमित नहीं रह गए हैं। चोर मोबाइल चोरी करने के बाद अलग-अलग पेमेंट एप के माध्यम से मोबाइल धारक के अकाउंट में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मोबाइल चोरी करने के बाद पेमेंट एप के माध्यम से रकम आहरण करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। एक ऐसे ही मामले में गोलबाजार थाना में एक कपड़ा कारोबारी ने अज्ञात के खिलाफ मोबाइल चोरी करने के बाद पेमेंट एप से साढ़े छह लाख रुपए आहरण करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस के मुताबिक शंकर नगर निवासी हरभजन सिंह राजपाल ने अज्ञात के खिलाफ मोबाइल चोरी करने के बाद पेमेंट एप के माध्यम से अकाउंट में सेंध लगाकर रकम आहरण करने की शिकायत दर्ज कराई है। हरभजन ने पुलिस को बताया है कि 26 अक्टूबर को वह शास्त्री बाजार में सब्जी खरीदने के लिए गया था। इसी दौरान कारोबारी का किसी ने मोबाइल चोरी कर लिया।

तत्काल सिम ब्लाक नहीं कराने का चोरों ने उठाया फायदा

कारोबारी ने पुलिस को बताया है कि मोबाइल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराने के बाद उसने दूसरे दिन पुराना सिम ब्लाक कराने के बाद नया सिम अलॉट कराया। इस दौरान चोर ने कारोबारी के पेमेंट एप का इस्तेमाल करते हुए अकाउंट से रुपए पार कर दिया। पेमेंट निकलने का कारोबारी ने तीन नवंबर को मैसेज देखा। मैसेज पढ़ने के बाद कारोबारी ने थाने में अलग से ठगी की शिकायत दर्ज कराई।

मोबाइल एप से निकाल लिया 99 हजार

आजाद चौक थाना में पांच माह पूर्व अविनाश मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह मंगल बाजार में सब्जी खरीदने के लिए गया था। इस दौरान किसी अज्ञात ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया। अविनाश ने अपने चोरी गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया, तो अंजान व्यक्ति ने पांच हजार रुपए देने पर मोबाइल देने की बात कही। शक होने पर अविनाश ने दूसरे दिन एटीएम से मिनी स्टेटमेंट निकाला, तो मोबाइल चोरी करने वाला अकाउंट से 99 हजार रुपए पार कर चुका था। इस मामले में भी चोर ने पेमेंट एप का इस्तेमाल किया था।

पुराने मोबाइल नंबर से रुपए पार

ऐसे ही एक मामले में आजाद चौक थाना में अभि गुप्ता ने पूर्व में शिकायत दर्ज कराई थी। अभि ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर ने उसके पुराने मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर उसके अकाउंट से फोन पे के माध्यम से 40 हजार रुपए पार दिया।

ऐसे करते हैं पेमेंट एप का इस्तेमाल : क्राइम डीएसपी के मुताबिक मोबाइल चोरी करने वाले शातिर मोबाइल चोरी करने के बाद मोबाइल से सिम निकाल कर नहीं फेंकते। सिम को अपने पास रख लेते हैं। कुछ घंटे बाद शातिर चोरी किए गए मोबाइल के सिम से मोबाइल धारक के अकाउंट के बारे में डिटेल जानकारी हासिल कर पेमेंट एप का इस्तेमाल कर अकाउंट खाली कर देते हैं।

पुलिस में जाए बगैर सिम ब्लाक : मोबाइल चोरी, सिम ब्लाक करने से लेकर कई अन्य तरह की शिकायतों के लिए केंद्र की सेंट्रल इक्वीपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल है। मोबाइल चोरी का शिकार सीईआईआर पोर्टल में जाकर अपना सिम ब्लाक कराने के साथ मोबाइल चोरी की जानकारी अपलोड कर सकता है। सीआईआर पोर्टल में तत्काल सिम ब्लाक करने की सुविधा है। सिम ब्लाक होने के बाद चोर सिम का गलत इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

पूर्व में भुगतान से निकालते हैं डिटेल : मोबाइल के साथ आधार नंबर बैंक अकाउंट में लिंक है। इसके कारण कई निजी बैंक पेमेंट एप डाउनलोड करने आधार के साथ आकाउंट नंबर नहीं मांगते। पेमेंट एप आसानी से डाउनलोड हो जाता है। पेमेंट एप डाउनलोड नहीं होने की स्थिति में चोर पूर्व के पेमेंट एप से किए गए भुगतान की जानकारी हासिल कर अकाउंट में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं।

30 युवतियों ने लिया सिलाई मशीन का प्रशिक्षण

रायपुर। केयर स्किल फाउंडेशन द्वारा बोरियाकला स्थित प्रशिक्षण केंद्र में गुरुवार को सिलाई मशीन कक्षा का समापन किया गया। जिसमें 30 युवतियों ने हिस्सा लिया, यह कक्षा 7 अगस्त को प्रारंभ हुआ था, 90 दिवसीय इस सिलाई मशीन कक्षा में प्रशिक्षिका प्रियंका पटेल द्वारा प्रशिक्षणार्थियों की स्कर्ट बनाना, ब्लाउज सिलना, शर्ट पेंट सिलना, लहंगा सिलना, सलवार सूट सिलना आदि कलाओं का प्रशिक्षण इन 3 महीनों में लिया गया। अंत में कक्षा का समापन सर्टिफिकेट डिसटीब्यूशन कर किया गया। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थी अपने हाथों से बने हुए वस्त्रों को पहना था कपड़ों की जांच करना सिखाया गया एवं नए व सरल तरीकों से कपड़ों को सिलना सीखाया गया। केयर स्किल फाऊंडेशन की तरफ से अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू, सचिव केंद्रीश श्री साहू, अजय चौधरी, प्रियंका पटेल, हेमा मानिकपुरी, प्रकाश चंद कुर्रे, भुवनेश्वरी साहू मौजूद थे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

भगवान सहस्त्रबाहु जयंती पर वार्षिक क्रीड़ा उत्सव आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

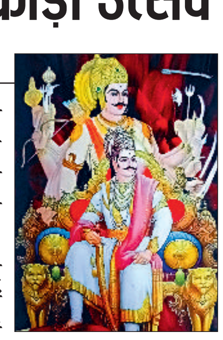

राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर 8 नवंबर को वार्षिक क्रीड़ा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर विद्यालय में छात्र-छात्राओं के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं कक्षावार आयोजित की जाएंगी, जैसे गोला फेंक, तवा फेंक, व्यंजन प्रतियोगिता, रंगोली, पुष्पसज्जा, सुलेख, सलाद, फैंसी ड्रेस, कबड्डी प्रतियोगिता होगी इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय आने पर पुरस्कृत किया जाएगा। यह कार्यक्रम रायपुर कान्वेंट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनता कॉलोनी गुढ़ियारी, राजेंद्र नगर, अमलीडीह रोड, शिवानंद नगर एवं सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालय केंट इंटरनेशनल स्कूल झीट रायपुरा द्वारा किया जाएगा। यह जानकारी स्कूल के प्राचार्य ने देते हुए बताया कि भगवान सहस्त्रबाहु की पूजा विद्यालय में सुबह 10 बजे की जाएगी, इसके बाद तीन मशाल शक्ति, एकता और विकास प्रज्ज्वलित की जाएगी। इस कार्यक्रम में स्कूल के स्टॉफ और पालक भारी संख्या में शामिल होंगे।

बिजनेस साइट

एनटीपीसी ने धूमधाम से मनाया 50वां स्थापना दिवस

रायपुर। एनटीपीसी ने अपना 50वां स्थापना दिवस गुरुवार को नवा रायपुर में धूमधाम से मनाया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक पीके मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर एनटीपीसी ध्वज फहराया। इसके बाद कंपनी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने एकजुट होकर एनटीपीसी गीत गाया। श्री मिश्रा ने अपने संबोधन में एनटीपीसी के पिछले 49 वर्षों के दौरान एनटीपीसी के गौरवशाली इतिहास और देश के विकास में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी आज भारत की सबसे बड़ी विद्युत कंपनी के रूप में उभरी है, जिसकी स्थापित क्षमता 76 गीगावॉट से अधिक है। एनटीपीसी का उद्देश्य न केवल विश्वसनीय, सस्ती और टिकाऊ बिजली प्रदान करना है, बल्कि वह हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। समारोह में यूएच गोखे, एसके घोष, अर्पिता महिला समिति की अध्यक्ष आयशा मिश्रा और अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

online Booking:-www.tripuryatra.com
12 ज्योतिर्लिंग
स्लीपर मात्र 16500/
रिजर्वेशन कोच (11 दिन)
27 नवंबर से 07 दिसंबर 2024
08 जनवरी से 18 जनवरी 2025
19 फरवरी से 01 मार्च 2025
7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
श्री द्वारिकाधीश, श्री द्वारिकाभेंट, श्री शिरडी सांई बाबा, श्री शनि सिंघनापुर, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, घृनेश्वर ज्योतिर्लिंग, त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग
राशि:-स्लीपर-16500/-, 3 एसी- 25,500/-, 2 एसी- 30,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

02

सर्वविघ्न निवारण के लिए हुए विविध हवन

●मिनी इंडिया के सभी समाजों में दिखा छठ पूजा का उत्साह, तालाबों में उमड़ी भीड़, श्रद्धालु बैंड बाजों के साथ पहुंचे घाट

कांच ही बांस के बहंगिया बहगी लचकत जाए...घंटों पानी में डूबकर अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य, 4 दिवसीय पर्व का आज होगा पारण

भिलाई। कार्तिक शुक्ल की षष्ठी तिथि पर प्रकृति को समर्पित लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर गुरुवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया गया। 36 घंटे के कठोर व्रत का आज सुबह उदीयमान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन होगा। चार दिवसीय छठ पूजा की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को तथा समाप्ति कार्तिक शुक्ल सप्तमी यानी शुक्रवार की सुबह होगी है। इस दौरान व्रतधारियों ने लगातार छत्तीस घंटे का व्रत रखा और पानी भी ग्रहण नहीं किया। 4 दिवसीय छठ पर्व पर व्रतियों ने तीसरे दिन कार्तिक शुक्लषष्ठी को पूरे दिन छठ प्रसाद के रूप में ठेकुआ, व चावल के लड्डू बनाए और इसके साथ ही चढ़ावे के रुप में सभी ऋतु फल जोड़े के साथ बांस की टोकरी (दौरा) और अर्घ्य का सूप सजाकर व्रतधारी अपने परिवार तथा पड़ोस के सारे लोगो के साथ सूर्यास्त के सूर्य का अर्घ्य देने घाट पहुंचे।

छठ पूजा की झलकियां

उदित भास्कर को आज देंगे अर्घ्य

कार्तिक शुक्ल सप्तमी शुक्रवार की सुबह व महापर्व के चौथे दिन उदियमान भास्कर को अर्घ्य देंगे व अंत में सूर्य उदित होने के बाद व्रती कच्चे दूध से अर्घ्य देकर कच्चे दूध का शरबत, अदरक गुड़ या चने का प्रसाद लेकर व्रत का पारण करेंगे।

पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश ने दिया सूर्य देव को अर्घ्य

छग पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय घर-परिवार व क्षेत्रवासियों की खुशहाली के लिए दूसरी बार छठ व्रत कर गुरुवार को ढलते सूर्य को अर्घ्य दिया। उनके साथ पूजा संपन्न कराने उनकी धर्मपत्नि कृष्णावती पांडे व बेटे मनीष पांडे, भाई प्रशांत पांडे ने पूरा सहयोग कर छठ मैया का आर्शिवाद लिया। उन्होंने छठ मइया की पूजा- अर्चना कर भिलाईवासियों और प्रदेश की खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान उन्होंने लोगों से भेंट करते हुए उनका हालचाल जाना और लोगों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सूर्य देव विपुल ऊर्जा के स्रोत हैं। छठ एकमात्र पर्व है जहां हम अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देते हैं, नई सुबह और नई उम्मीद के साथ हमारे जीवन में सकारात्मकता का संचार हो। इस सकारात्मकता के साथ सूर्य देव हमें सदैव आगे बढ़ते रहने की ऊर्जा प्रदान करते हैं।

सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

भिलाई निगम जोन 3 के अध्यक्ष जालंधर सिंह द्वारा छठ पर्व में बैकुंठधाम सूर्य कुंड गंगा धाम में नगर पालिका निगम भिलाई के सफाई कर्मचारियों को भोजन कराकर उन्हें सम्मानित किया गया। जालंधर सिंह ने बताया की सफाई कर्मियों द्वारा सुबह 6 बजे आकर वार्ड एवं तालाब की सफाई की जाती है इसलिए इनका सम्मान करना ही चाहिए और इस कार्य को लगातार जारी रखने का आश्वासन दिया। इस दौरान जालंधर सिंह, धनराजू, मंजीत वर्मा, शिव यादव, बोलबम गुप्ता, चंदू आहूजा, पप्पू सिंह, शुभम साव, राज कुमार सिंह, रितेश, विकास सिंह, सूरज सिंह, राजेश सिंह, रामाराव उपस्थित थे।

होर्डिंग का अखाड़ा बना तालाब, गूंजे छठ गीत

अस्त होते सूर्य देव को अर्घ्य देने इकट्ठे हुए लोग घाटों पर पूजा के समय छठ के पारंपरिक गीतों को गाते रहे। जिसमें सेक्टर-2 तालाब छोटे-बड़े होर्डिंग का अखाड़ा के रुप में दिखाई दिया। इस बार पाटरी पार क्षेत्र में बने बैकुंठधाम तालाब को विधायक रिकेश सेन द्वारा सजाया गया था साथ ही सेक्टर-7, सेक्टर-1 पार्क में वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा द्वारा व्रतधारियों के लिए तालाब बनाया गया था।

झारखंड विधानसभा चुनाव के दरम्यिान दुर्ग सांसद विजय बघेल चक्रधरपुर संजय नदी के घाट जाकर छठव्रतधारियों से मुलाकात की और देश-प्रदेश सहित दुर्ग संसदीय क्षेत्रवासियों को छठ की बधाई दी।

भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व रायपुर प्रभारी मनीष पांडेय और पूर्व सभापति राजेंद्र अरोरा ने श्रद्धालुओं से भेंटकर पर्व की शुभकामनाएं दी।

भरी गई कोसी : जिन व्रतियों के घरों में कोई शादी या संतान होने की खुशी या कोई अन्य शुभ कार्य हुआ है, उनके घरों में रात को कोसी भी भरी गई। महिलाओं द्वारा गन्ने का मंडप सजाकर पंचदीप जलाकर कोसी भरी गई। छठ गीत गाकर रात जागरण भी किया गया।

वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन पत्नी ऋचा सेन के साथ लोकांगन में पूजा करते हुए।

सिटी इवेंट

जीत बने स्काउड-गाइड के आयुक्त स्कार्फ पहनाकर कैडेट्स ने किया सम्मान

दुर्ग। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के कैडेट्स ने गुरुवार को जनजागरुकता रैली निकाली। रैली नगर के विभिन्न मार्ग से होकर गुजरी। इस दौरान लोगों को आसपास सफाई रखने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने सहित अन्य जागरुकता संदेश दिए गए। कैडेट्स इस दौरान स्काउट-गाइड के नए आयुक्त जीत यादव के घर भी पहुंचे। जहां उन्होंने स्कार्फ पहनाकर उनका स्वागत किया। राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव के आव्हान और जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा के मार्ग दर्शन पर यह रैली निकाली गई। रैली में स्काउटिगं से जुड़ी जानकारी भी दी गई।75 वीं स्थापना दिवस वर्षगांठ पर यह कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर बालक दास राऊत, सरस्वती गिरिया, हेमा चंद्रवंशी, अमीता हसमुख, नोमिन साहू, कल्पना शुक्ला, भारती गुप्ता, अनिल साहू, अवधेश, सहित अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक गजेन्द यादव के घर जाकर उन्हें सम्मानित किया गया।

मूल भोजपुरी से छत्तीसगढ़ी में अनुवाद हुआ गीत , रिकार्डिंग की तैयारी भी हुई

लोकगायिका शारदा सिन्हा का इकलौता छत्तीसगढ़ी गीत, जो अधूरा ही रह गया...

कार्नर न्यूज

मुहम्मद जाकिर हुसैन

भिलाई । "बिहार कोकिला" और प्रख्यात लोकगायिका दिवंगत शारदा सिन्हा ने यूं तो उत्तर प्रदेश और बिहार की बहुत सी लोक बोलियों में गीत गाए हैं लेकिन एक मौका ऐसा भी आया था, जब उनकी आवाज में एक छत्तीसगढ़ी गीत रिकार्ड होना था। सारी तैयारियां हो चुकी थीं लेकिन आखिरी वक्त में विभिन्न वजहों से राजश्री फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस ने इस प्रोजेक्ट को पूरा नहीं किया। बात राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म "मैनें प्यार किया" के लोकप्रिय गीत "कहे तोह से सजना ये तोहरी सजनिया" की है। फिल्म और इसके सारे गाने तब सुपर-डुपर हिट थे।

शैल का अनुवाद दानेश्वर शर्मा ने सुधारा

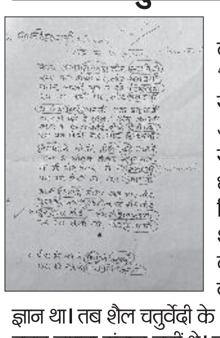

खास तौर पर लोक गायिका शारदा सिन्हा की आवाज में असद भोपाली के लिखे गीत "कहे तोह से सजना" ने धूम मचा दी थी। तब राजश्री प्रोडक्शन ने इसके गीतों का एलबम अलग-अलग भाषाओं में जारी किया था। राजश्री वालों ने "कहे तोह से सजना" का छत्तीसगढ़ी अनुवाद करने की जिम्मेदारी फिल्म अभिनेता और वरिष्ठ साहित्यकार शैल चतुर्वेदी को दी थी। चूंकि शैल चतुर्वेदी का बचपन बिलासपुर में गुजरा था, इस वजह से उन्हें थोड़ी बहुत छत्तीसगढ़ी का ज्ञान था। तब शैल चतुर्वेदी के अनुवाद से राजश्री प्रोडक्शन वाले इससे बहुत ज्यादा संतुष्ट नहीं थे। तब सिविक सेंटर भिलाई के व्यवसायी और राजश्री परिवार के करीबी अनिल कुमार डागा के माध्यम से वरिष्ठ गीतकार दानेश्वर शर्मा से संपर्क किया गया। राजश्री प्रोडक्शन ने जून 1991 में शैल चतुर्वेदी का अनुवादित छत्तीसगढ़ी गीत दानेश्वर शर्मा को भेजा। जिसे उन्होंने सुधार कर मुंबई भेजा था। दिवंगत दानेश्वर शर्मा ने बताया था कि घर में बेटी की शादी की वजह से वह व्यस्त हो गए और उन्हें जानकारी नहीं हो पाई। इस संबंध में "हरिभूमि" ने राजश्री प्रोडक्शन मुंबई संपर्क किया तो वहां पदस्थ मैनेजर एसके गुप्ता ने बताया कि तब छत्तीसगढ़ी और बृजभाषा में इस गीत को जारी करना था। लेकिन उन्ही दिनों अगली फिल्म "हम आपके हैं कौन..?" की तैयारियों में सब जुट गए और शारदा सिन्हा की भी व्यवस्तताएं बढ़ गईं थी। इसलिए उस गीत को रिकार्ड नहीं कर सके।

भिलाई में महज एक गीत पर रात से सुबह तक 'वंस मोर' गूंजता रहा

"मैनें प्यार किया" की अपार सफलता के बाद शारदा सिन्हा की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी थी। उन्हीं दिनों इस्पात नगरी भिलाई में उत्तर प्रदेश बिहार लोककला महोत्सव समिति का गठन किया गया था और इसका पहला भव्य कार्यक्रम 2 फरवरी 1992 को सेक्टर-1 के पंत स्टेडियम में हुआ। जिसमें शारदा सिन्हा को आमंत्रित किया गया था। समिति के अध्यक्ष ठाकुर रंजीत सिंह बताते हैं कि तब उनका गीत "कहे तोह से सजना ये तोहरी सजनिया" खूब लोकप्रिय था। जब यहां उन्होंने उत्तर प्रदेश-बिहार के लोकगीतों से अपनी शुरूआत की तो लोगों ने तालियों से स्वागत किया लेकिन सभी को इंतजार "कहे तोह से सजना" का था। करीब घंटे-डेढ़ घंटे के बाद उन्होंने जब यह गीत पेश किया तो सिर्फ 'वंस मोर' ही गूंजता रहा। उन्होंने दर्शकों का मान रखते हुए करीब छह-सात मरतबा लगातार यह गीत अलग-अलग अंतरों के साथ गाया फिर दूसरे गीत भी गाती रहीं। लेकिन हर दूसरे तीसरे गीत के बाद फिर लोग "कहे तोह से सजना" की फरमाइश करते। उन्होंने भी पूरी विनम्रता से दर्शकों की फरमाइश को सर आंखो पर लिया और हर दो-तीन गाने के बाद इस गीत को पेश करती रही। आज भी लोग शारदा सिन्हा का वह कार्यक्रम भूले नहीं है।

सिटी इवेंट

कॉलेज में जनजातीय संगोष्ठी में कैलिफोर्निया से भी जुड़े प्रोफेसर

भिलाई। शासकीय इंदिरा गांधी वैशाली नगर महाविद्यालय भिलाई में जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन में कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी यूएसए से डॉ, मृणाल सिन्हा (एसोसिएट प्रोफेसर) ऑनलाइन मोड पर जुड़े। प्राचार्य डॉ. अल्का मेश्राम के मार्गदर्शन में यह संगोष्ठी हुई। इसमें डॉ. वेदवती मंडावी, डॉ. आशुतोष मंडावी तथा डॉ, मृणाल सिंह वक्ता थे। कार्यक्रम की शुरुआत बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, गुंडाधुर और भारत माता के तैलचित्र पर पुष्प अर्पण कर की गई। डॉ. मृणाल सिन्हा ने जनजातीय समाज पर अनेक शोध किए हैं, उस शोध कार्य को हम सबके साथ साझा करते हुए उन्होंने जनजातियों की वर्तमान स्थितियों व स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका और योगदान पर अपनी बात रखी। कुशाभाऊ ठाकरे विश्वविद्यालय रायपुर पत्रकारिता एवं जनसंपर्क विभाग के प्रोफेसर डॉ. आशुतोष मंडावी ने कहा कि जनजाति बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, गुंडाधुर, शहीद वीर नारायण सिंह जैसे अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राजाओं, महाराजाओं ने ब्रिटिश शासन के अत्याचारों का विरोध करते हुए अनेक जनजातियों के प्रतिनिधियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को स्वतंत्र बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

समाज के शहीदों के योगदान पर परिचर्चा, परंपराओं की भी दी जानकारी

सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. वेदवती मंडावी ने कहा कि जनजातीय समाज के संस्कृति, सभ्यता, परंपरा और उनके योगदान विशेष कर मोहनजोदाड़ो, हड़प्पा संस्कृति व स्वाधीनता संग्राम में हुए शहीदों के योगदान, गोड़ जनजातियों की गोटुल परम्परा और टोटम व्यवस्था के माध्यम से जीव-जंतुओं व पेड़-पौधे की सुरक्षा करना है। वर्तमान में जनजातियों की सांस्कृतिक, सामाजिक समस्याओं पर भी प्रकाश डाला। डॉ. मेश्राम ने कुकी आंदोलन, संथाल आंदोलन पर विचार रखे। आयोजन में समन्वयक डॉ. चांदनी मरकाम, अत्रिका, महेश कुमार अलेंद्र, सुरेश ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर स्टूडेंट्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

सिटी इवेंट

रिखी संग सरगुजिहा करमा पर मांदर की थाप पर झूमे सीएम

भिलाई। प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में जनसंपर्क विभाग छत्तीसगढ़ शासन के पवेलियन पर शानदार माहौल बना दिया। रिखी और उनके समूह की प्रस्तुति की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खुल कर तारीफ की। इस दौरान जब रिखी क्षत्रिय ने लोहाटी बाजा के साथ सरगुजिहा करमा की धुन छेड़ी तो मुख्यमंत्री साय भी खुद को रोक न सके। साय ने मांदर पर थाप देते हुए करमा नृत्य किया। इस पर रिखी और उनके साथियों ने भी जमकर नृत्य प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर राजधानी रायपुर में तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन किया गया था। इस दौरान लगाई गई प्रदर्शनी में जनसंपर्क विभाग के पवेलियन में लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय अपने दल के साथ आदिवासी अंचल के दुर्लभ वाद्ययंत्र लेकर पहुंचे थे। यहां पहुंचने वाले आगंतुकों ने रिखी क्षत्रिय के इस दुर्लभ संग्रह को बेहद जिज्ञासा के साथ देखा और जरूरी जानकारी ली। यहां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी पहुंचे।

- राज्योत्सव में साय ने सराहा रिखी क्षत्रिय और उनके समूह का नृत्य

पारंपरिक व पुराने दुर्लभ वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति

इस दौरान रिखी और उनके समूह ने दुर्लभ वाद्ययंत्रों चटकोला, टिमकी, मोहरी, खनखना, ठडका, चरहे, सींग बाजा, खल्लर और चटका आदि बजा कर समां बांधा। रिखी के साथ प्रस्तुति देने वाले सहायक कलाकारों में कुलदीप सार्वा, रामकुमार पाटिल, डोरेलाल, कमल, उग्रसेन देवदास, अजीत, राजेश, दिनेश वर्मा, शिवम, परम रजक, संजीव, प्रदीप, नवीन, सुनील, प्रमोद ठाकुर, वेन कुमार, दादू, रिंकू, रंजीत, कुमारी अनुराधा, जया, जागेश्वरी, नेहा, प्रियंका, चंचल, लीना, हेमा, छोटी, ओमेश्वरी साहू और गीतांजलि साहू भी शामिल थे।

समाज इवेंट

घर की लक्ष्मी की विशेष पूजा, कहा- यह नारी शक्ति का सम्मान

भिलाई। आचार्य डॉ.महेशचन्द्र शर्मा ने कहा कि हमारे त्योहारों और पर्वों में हमारी संस्कृति दिखाई देती है। भारतीय पर्वों का अर्थ है सबको आपस में जोड़ना। महालक्ष्मी का महापर्व दीपावली का विशेष महत्त्व है। माता, बहन, बेटी और धर्मपत्नी आदि भी महालक्ष्मी के रूप हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली के दिन माता, बहन और पत्नी की पूजा-अर्चना नारी शक्ति का सम्मान है। उन्होंने कहा कि दिवाली के 11वें दिन देव उठनी को पुरुषोत्तम देवगण उठते हैं। इस पावन प्रसंग पर सरला तिवारी, गौरी रजनी शर्मा, श्रद्धा दुबे, शर्मिष्ठा तिवारी एवं निकिता शर्मा मौजूद थीं। इस विशेष अवसर पर पं.वीरनारायण तिवारी, पं.दिव्यांशु दुबे, पं. प्रणय तिवारी, पं.शुभंकर शर्मा एवं पं. प्रियांशु दुबे आदि मौजूद थे।

● विश्व सैक्सोफोन दिवस पर सैक्सोफोन पर संगीतमय धुन की प्रस्तुति ने शहरवासियों का जीता दिल

पहली बार खुले मंच में सैक्सोफोन की धुनों ने किया रोमांचित, महाराष्ट्र, एमपी के कलाकारों ने जमाया रंग

दुर्ग। छत्तीसगढ़ मंच के बैनर तले विश्व सैक्सोफोन दिवस पर पुरानी गंज मंडी में सैक्सोफोन का ऐतिहासिक एवं यादगार कार्यक्रम \साज की आवाज\ का अनूठा आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में पहली बार खुले मंच पर यह आयोजन हुआ। छत्तीसगढ़ मंच के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, सचिव तुलसी सोनी, दिनेश जैन, गुलाब चौहान ने बताया कि म्यूजिक डायरेक्टर यश यदु ग्रुप के निर्देशन में राष्ट्रीय स्तर का इस तरह का यादगार कार्यक्रम शहरवासियों को पहली बार देखने का अवसर मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक गजेन्द्र यादव थे। उन्होंने सभी सैक्सोफोनिस्ट, गायक कलाकारों एवं म्यूजिशियनों का सम्मान किया। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध सैक्सोफोनिस्ट अनिल केमे गोंदिया, परेश लोखंडे बालाघाट, राजन वंशकार, प्रमोद केमे एवं आदर्श केमे ने यादगार प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ की लता मंगेशकर पूर्वा श्रीवास्तव, दुर्ग आइडल की विजेता डॉ, सुभदा श्री, गायक देवव्रत राय, जानकी रमैया, गायिका श्रीजा दलाल, पुष्पांजलि हिरवानी ने गीतों की प्रस्तुति से लोगो का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के अंत में गायक-गायिकाएं और अन्य कलाकार सम्मानित

कार्यक्रम में म्यूजिशियन यश यदु, राजा जैन, आशुतोष लांजेवार, सत्येंद्र सोनवानी, पवन मांझी, मनोज नायक, राजेश भाई, शिव मिश्रा ने बेहतरीन संगीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर चंद्रिका दत्त चंद्राकर, रमन सिंह, त्रिलोक सोनी, हरीश सोनी, डॉ. आनंद तिवारी, विजय दुबे, मुकेश भटनागर, प्रीति श्रीवास्तव, सोनिया दलाल, रत्ना नारमदेव, प्रीति अजय बेहरा, शेख जहीर, माधुरी लारोकर, शरीक अली सहित अन्य मौजूद थे।

सैक्सोफोन के माध्यम से पुराने सदाबहार गीतों की धुनों की प्रस्तुति

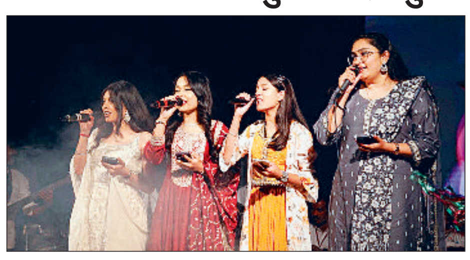

सैक्सोफोन के माध्यम से पुराने एवं सदाबहार फिल्मी गीतों की धुन को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समाजसेवी संजय रुंगटा, कैलाश बरमेचा, डॉ. मानसी गुलाटी, अशोक राठी, डॉ. रौनक जमाल, संतोष मारोटी, रामफल शर्मा, मनीष परख, मुरारी भूतड़ा, सुनील जैन सहेली, कांतिलाल बोथरा, कमल शर्मा, अतुल बाजपेई, अल्ताफ अहमद, विनीत बंसल, धनराज जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तुलसी सोनी ने किया। कार्यक्रम में गीत संगीत से जुड़े प्रमुख दिग्गज रायपुर के बजरंग बंसल, दीपक हटवार, पप्पू दुलानी, अमिताभ त्रिपाठी, लता त्रिपाठी, जसविंदर सिंग जस्सू भैया, बाबा खान, रिजवान खान दीपेंद्र हलधर, ठाकुर मार्तंड सिंह राजपूत की विशेष उपस्थिति रही।

मधुकर भवन में आयोजन

दीक्षार्थी पर नगर भ्रमण को निकला वरघोड़ा महिलाओं ने किया जगह-जगह स्वागत

दुर्ग। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रवण संघ के बैनरतले गुरुवार को ओसवाल भवन गवलीपारा से जय आनंद मधुकर रतन भवन तक आगम सम्मान यात्रा निकाली गई।

इसमें श्रमण संघ परिवार के साथ वर्धमान सेवा मंच श्रमण संघ महिला मंडल श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल के सदस्य सह जोड़े इस सम्मान यात्रा में शामिल हुए। जैन आगम को महिलाएं सजी हुई थालियां के साथ जैन आगम को हर थाली में विराजमान किया गया। चुनरी प्रिंट की साड़ियों के साथ महिलाएं हर्ष और उल्लास के वातावरण में इस यात्रा में साथ-साथ चल रहे थे। भगवान महावीर के जयकारों गुरु भगवंतों के जयकारों के साथ यह यात्रा ओसवाल भवन से जय आनंद मधुकर रतन भवन पहुंची, जहां उपस्थित लोगों ने इस यात्रा का स्वागत किया। बता दें कि 10 फरवरी को संयमी साधक कल्पेश कुमार जोधपुर राजस्थान में दीक्षा ग्रहण करेंगे।

आगम यात्रा ओसवाल भवन गवलीपारा से हुई शुरू, किया नगर भ्रमण

इधर जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब में साध्वी डॉ. सु मंगल प्रभा, साध्वी डॉ. सुवृद्धि श्री के सानिध्य में धर्मसभा का आयोजन किया गया। इसमें साध्वी मनोहर कंवर के जीवन दर्शन पर विचार रखे गए। साध्वी रजत प्रभा ने धर्मसभा को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रवण संघ महिला मंडल की अध्यक्ष रचिता श्री श्रीमाल ने किया। इस अवसर पर महिलाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

गुरु गुण गरिमा पुस्तक और स्वाध्याय सम्मेलन का पोस्टर विमोचित

धर्मसभा में प्रवचन प्रभाविका साध्वी डॉ. सु मंगल प्रभा ने संकलित पुस्तक गुरु गुण गरिमा का विमोचन किया। राजस्थान सिकंदराबाद चेन्नई से आए गुरु भक्त परिवार के अतिथि मौजूद थे। इस अवसर पर संपत राज्य कोठारी, प्रकाश चंद, हनुमान मल, ललित कांकरिया, कपूर चंद चौरडिया, कैलाश चौरडिया, मनीष कुमार कांकरिया, मदनलाल पुष्पेंद्र चौरडिया, सुरेश मुथा, ज्ञानचंद सिंघवी, किशन लाल, नाहर गौतम चंद सहित अन्य मौजूद थे। अखिल भारतीय वर्धमान स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ अहमदनगर एवं श्रमण संघ दुर्ग के बैनर तले 18 से 22 दिसंबर तक पांच दिवसीय स्वाध्याय शिविर का आयोजन दुर्ग में होना है। इसके पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

दशहरा मैदान रिसाली में श्रीमद्भागवत

कलयुग में जीवों के कल्याण का उत्तम मार्ग सिर्फ श्रीमद भागवत पुराण

भिलाई। दशहरा मैदान रिसाली में इन दिन श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के दूसरे दिन कथा वाचक गोपिकेश्वरी देवी ने सूत एवं शौनकादि ऋषियों के प्रसंग का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि इस कलयुग के जीवों के कल्याण का सबसे सरल, उत्तम और अतिशीघ्र मार्ग केवल श्रीमद् भागवत पुराण है। कृष्ण भक्ति से ही जीव अपने समस्त विकारों पर विजय प्राप्त कर सकता है। बशर्ते कृष्ण भक्ति निष्काम और निरंतर हो। आधा घंटा भगवान् में मन लगाया और बाकी समय संसार को मन दिया ऐसे कल्याण नहीं होगा। उन्होंने परीक्षित के जन्म की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि परीक्षित को कैसे श्राप मिला। उनका शुकदेव से मिलन कैसे हुआ। उन्होंने कहा कि यज्ञों का उद्देश्य श्रीकृष्ण ही हैं। योग श्रीकृष्ण के लिए ही किए जाते हैं। समस्त कर्मों की परिसमाप्ति भी श्रीकृष्ण में ही है। ज्ञान से ब्रह्मस्वरूप श्रीकृष्ण की ही प्राप्ति होती है। वेदव्यास ने परमहंसों की संहिता श्रीमद भागवत की रचना की। जीव के शोक, मोह और भय नष्ट हो जाते हैं। शुकदेव ने कहा परीक्षित में तुम्हें यही श्रीमद्भागवत कथा करवाउंगा। इसका लाभ यह होगा कि मृत्यु के समय भगवान की स्मृति अवश्य बनी रहेगी। आगे उन्होंने ध्रुव चरित्र और जड़ भरत की कथा सुनाई।

- कथावाचक गोपिकेश्वरी देवी के व्यासपीठ से प्रवचन

लोक मंगल की कामना के साथ स्कंदा षष्ठी महोत्सव का समापन

सर्वविघ्न निवारण के लिए हुए विविध हवन

कार्नर न्यूज

भिलाई। स्कंदाश्रम हुडको में तीन दिवसीय स्कंदा षष्ठी महोत्सव गुरुवार को लोक मंगल की कामना तथा शांति और प्रेम के संकल्प के साथ संपन्न हो गया। भक्तिमय उल्लास के माहौल में विविध हवन पूजन अनुष्ठान हुए और श्रद्धालु यजमानों के विभिन्न मनोरथों को पूर्ण करने की कामना की गई । श्रद्धालुओं से खचाखच भरे यज्ञ मंडप में तीसरे दिन के अनुष्ठान का श्री गणेश सुबह 7 बजे मंत्रोच्चार के बीच देव आह्वान के साथ हुआ। विभिन्न मनोकामनाओं को पूर्ण कराने के लिए तमिलनाडू से पधारे आचार्य पं. रगवान शास्त्रीगल के नेतृत्व में दक्षिण भारत के 14 वेदाचार्यों व पंडितों द्वारा विधिविधान से विविध हवन संपन्न करवाए गए। न्यायालय व शासकीय कार्य और सर्व विघ्न निवारण के लिए संकटाहारा गणपति हवन हुआ । इसके बाद श्री शत्रु संहार सुब्रमान्य त्रिसदी अर्चना, श्री शत्रु संहार सुब्रमान्य त्रिसदी हवन श्री सुब्रमान्या पंचदशाक्षरी हवन हुआ ।

बुरी नजर, दोष और पाप से मुक्ति के लिए अनुष्ठान

इसका उद्देश्य समाज में प्रसिद्धि, तनाव, रक्तचाप, हृदय व त्वचा संबंधी रोगों से मुक्ति, सरकारी नौकरी में सफलता,अपना घर/भूमि प्राप्त करने, दीर्घायु व शांति सुरक्षा प्राप्ति और बुरी नजर दोष और पाप को दूर के लिए था। दोपहर को वडुगराजा, कन्या, सुहासिनी दंपति पूजा हुई जो सभी प्रकार के बुरे कर्मो से मुक्ति और पित्र श्राप के लिए हुई। अनुष्ठान के हवन पूजन सर्व जन कल्याण तथा समृद्धि के लिए आयोजित किया गया। हवन पूजनों का समापन वसुंधरा, महापूर्णाहुति, कलश अभिषेकम के बाद महाप्रसाद वितरण से हुआ । स्कंद षष्ठी महोत्सव के यज्ञ को विधिवत संपन्न करवाने तमिलानाडू के साथ मैहर, चेन्नै सहित कई राज्यों के आचार्य पंडित रगवान शास्त्रीगल के नेतृत्व में साई राम शर्मा, सबरी शर्मा, सुदर्शन शर्मा, सतीश शर्मा, गणेश शर्मा, गोपाल कृष्णन , वाइथेशरन, जय रमन, अरविंध दक्षिणमूर्थी, हरीकृष्णना,अखिल शर्मा और सपतागिरि आदी ने रगवान सहयोग दिया।

दीदी शिवरंजनी ने दी विभूति

स्कंदाश्रम की प्रमुख और महासचिव दीदी शिवरंजनी ने सभी श्रद्धालुओं को विभूति विरण किया। उन्होंने अपने आशीवर्चन में ब्रह्मलीन बड़े गुरुजी स्वामी मणि स्वामी का पुण्य स्मरण और कर करते हुए शांति व प्रेम के साथ सभी श्रद्धाओं के पर भगवान कार्तिकेय की कृपा दृष्टि सदैव बनी रहने की कामना की।छोटे गुरुजी स्वामी एलआरके रेड्डी ने धर्मायोजन को सफल बनाने के लिए आश्रम के अनुयायियों और बाहर से आमंत्रित सभी श्रद्धालुओं का आभार प्रदर्शन किया। शाम को प्रभंजय चतुर्वेदी और सहकलाकारों ने सुमधुर भजनों से भावविभोर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आश्रम से जुड़े श्रद्धालु उपस्थित थे।

गरीब विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप

इस अवसर पर स्कंदाश्रम द्वारा 18 गरीब विद्यार्थियों को 12 वीं कक्षा तक पढ़ाई के लिए स्कालरशिप प्रदान करने की घोषणा की गई। आश्रम की वरिष्ठ पदाधिकारी जननी ने बताया कि वर्ष 2022 से हर साल गरीब और प्रतिभाशाली स्टूडेंट को शिक्षार्जन के लिए स्कालर शिप दे रहे हैं। इसके अलावा स्कंदाश्रम में तीन दिनों तक मेडिकल कैंप भी लगाया गया। तीस नवंबर को भी यहां निशुल्क पाइल्स जांच शिविर लगाया जाएगा। स्कंदा षष्ठी महोत्सव में स्कंदाश्रम कमेटी के अध्यक्ष मयंक रस्तोगी, उपाध्यक्ष शंशाक रस्तोगी, मीडिया प्रभारी सुरेंद्र सिंग कैंबो और शांतनु डे सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

सिटी स्पोर्ट्स

रणजी ट्रॉफी में संजीत का शानदार शतक, कप्तान अमनदीप ने बनाए 88 रन

रायपुर। बी.सी.सी.आई. द्वारा रणजी ट्रॉफी 2024-25 का आयोजन 11 अक्टूबर से जारी है। जिसमें ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ की टीम का चौथा मैच (06–09 नवंबर) शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में रेलवे टीम के विरुद्ध खेला गया।

दूसरे दिन रेलवे ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 154.5 ओवरों में 9 विकेट खोकर 500 रन बनाये तथा पारी घोषित कर दी। छत्तीसगढ़ ने सातवी बार एक पारी में 500 रन या उससे अधिक का आंकडा छुआ। इस वर्ष टीम ने लगातार 3 मैचों में एक पारी में 500 या उससे अधिक रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से संजित देसाई ने शानदार शतक लगाते हुये 110 रन बनाये। कप्तान अमनदीप खरे ने 88 रन तथा अनुज तिवारी ने 84 रनो का योगदान दिया। इसके अतिरिक्त अजय मंडल ने 66 रन, आयुष पांडे ने 46 रन तथा ऋशभ तिवारी ने 31 रनों की पारी खेली। रेलवे की ओर से कर्ण शर्मा ने 3 विकेट, आदर्श सिंह तथा आकाश पांडे ने 2-2 विकेट प्राप्त किए। दूसरे दिन की समाप्ति तक रेलवे ने अपनी पहली पारी में 16 ओवरों में बिना किसी नुकसान के 75 रन बना लिये है। रेलवे की ओर से विवेक सिंह ने 52 नाबाद रन बनाये। दूसरे दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ़ 425 रनों से आगे है।

राज्य शतरंज स्पर्धा 9 नवंबर से

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के मार्गदर्शन में मुंगेली चैंपियंस ट्रॉफी छत्तीसगढ़ राज्य ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन जिला शतरंज संघ मुंगेली द्वारा 9 नवम्बर और 10 नवंबर को किया जा रहा है। राज्य शतरंज संघ के सचिव हेमंत खुटे ने बताया कि यह खुली शतरंज स्पर्धा है। इसमें किसी भी उम्र के खिलाड़ी 500 रुपए प्रवेश शुल्क ऑनलाइन या ऑफलाइन जमा कर हिस्सा ले सकते हैं।

उक्त प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय नियमानुसार स्विस लीग पद्धति से 7 चक्रों में खेली जाएगी। प्रत्येक खिलाड़ी को पहली चाल में 30 सेकंड इंक्रीमेंट के साथ 30-30 मिनट का समय दिया जायेगा।सभी खिलाड़ियों को आवास व्यवस्था डोरमेट्री के रूप में निशुल्क दी जाएगी। इस प्रतियोगिता में 55000 रुपए की नकद राशि खिलाड़ियों को इनाम स्वरूप दी जाएगी। स्पर्धा में 4 ट्रॉफी के साथ 27 मोमेंटो विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा प्रदाय किए जाएंगे। स्पर्धा का उदघाटन 9 नवम्बर को सुबह 10:30 बजे तथा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम 10 नवम्बर को शाम 5 बजे होगा। पुरस्कार के अंतर्गत पहला 7000 व ट्रॉफी, दूसरा 5000 व ट्रॉफी, तीसरा 3000 व ट्रॉफी, चौथा 2500 व ट्रॉफी, पांचवा 2000, छठवां 1500, सातवां 1200, आठंवा से दसवां 1000, ग्यारहवां से पंद्रहवां 700 ,सोलहवां से बीसवां 500 रुपए है । मुख्य पुरस्कार के अलावा अन्य श्रेणी के तहत बेस्ट महिला खिलाड़ी,बेस्ट सरगुजा संभाग खिलाड़ी,बेस्ट मिनी खिलाड़ी (11 वर्ष से कम) बेस्ट मिनी खिलाड़ी (8वर्ष से कम),बेस्ट वेटरन खिलाड़ी,बेस्ट जूनियर खिलाड़ी,बेस्ट बस्तर संभाग खिलाड़ी,बेस्ट दिव्यांग खिलाड़ी,बेस्ट मुंगेली खिलाड़ी के तहत प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले खिलाड़ियों को भी क्रमशः 1000,700, 500 रुपए की नगद राशि व मोमेंटो दिए जाएंगे। स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ी राज्य सचिव हेमंत खुटे से संपर्क कर सकते है।

पूर्वी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयिन वॉलीबॉल में तीन खिलाड़ियों का चयन

रायपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयिन वॉलीबॉल महिला प्रतियोगिता हेतु शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। तीनों आगामी प्रतियोगिता में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी। चयनित खिलाड़ी लक्ष्मी कुमारी, तनुप्रिया कंवर और अमीषा राजवाड़े है। खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने बधाई देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दी। उक्त जानकारी महाविद्यालय की क्रीड़ा अधिकारी डॉ कर्मिष्ठ शंभरकर ने दी।

स्वस्थ्य शरीर के लिए भरपूर नींद लेना जरूरी, परेशानी हो तो जरूर जाएं डाक्टर के पास

नींद न आने की समस्या बढ़ा सकती है बहुत सी बीमारियों का खतरा, अच्छी नींद का करें उपाय

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक माना जाता है। ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है। नींद न आने की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव या चिंताएं अक्सर दिमाग को इतना सक्रिय कर देती हैं कि व्यक्ति आराम से सो नहीं पाता। इसके अलावा चाय, कॉफी, सिगरेट और अन्य कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन करने वालों को भी नींद विकारों की दिक्कत हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियां और मानसिक रोग के शिकार लोगों की भी नींद अक्सर बाधित रहती है।

नींद की समस्याओं के कारण

नींद न की समस्या (अनिद्रा) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है या रात में अक्सर उसकी नींद टूट जाती है। नींद की कमी का असर दीर्घकालिक रूप से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नींद की बढ़ती समस्याओं के लिए मोबाइल या कंप्यूटर जैसे स्क्रीन्स का अधिक इस्तेमाल भी माना जा सकता है। इन उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद के लिए आवश्यक मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकती है। नींद में सुधार के लिए कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं।

एक ही समय पर रोज सोने की बनाएं आदत

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे शरीर का बायोलॉजिकल क्लॉक नियमित होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसके अलावा कमरे को नींद के अनुकूल बनाएं। कमरा शांत, अंधेरा वाला और ठंडा होना चाहिए। अनुकूल माहौल में अच्छी नींद मिलती है।

स्क्रीन से बनाएं दूरी

सोने से 1-2 घंटे पहले स्मार्टफोन, कंप्यूटर, या टेलीविजन का इस्तेमाल न करें। इन उपकरणों की ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के स्तर को प्रभावित करती है, जिससे नींद आने में परेशानी होती है। मेलाटोनिन एक प्राकृतिक हार्मोन है जो नींद को नियंत्रित करता है। अनिद्रा के शिकार लोग डॉक्टर से सलाह लेकर इसका सप्लीमेंट ले सकते हैं। अगर नींद की समस्या किसी मानसिक विकार जैसे अवसाद या एंग्जायटी के कारण है, तो इसके लिए मनोचिकित्सक से सलाह लें।

नियमित व्यायाम जरूरी

नियमित शारीरिक व्यायाम नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक है। व्यायाम करने से शरीर को थकावट महसूस होती है, जिससे सोने में आसानी होती है। ध्यान रहे कि सोने से पहले व्यायाम न करें, क्योंकि यह शारीरिक उत्तेजना बढ़ा सकता है। ध्यान, गहरी सांस लेने की तकनीक और मांसपेशियों को आराम देने वाली एक्सरसाइज सोने से पहले करने से तनाव कम होता है और नींद में सुधार होता है।

सीनियर पुरूष एवं महिला वर्ग में रायपुर विजेता

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम एवं सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के सहयोग से सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल, बुढ़ापारा, रायपुर में 22वीं स्टेग छत्तीसगढ़ राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2024 गुरुवार से शुरू हुई। 10 नवंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में पहले दिन टीम वर्ग (सीनियर पुरूष एवं महिला/यूथ-19/जूनियर-17/सब जूनियर-15/कैडेट-13/होप्स-11 बालक एवम बालिका) के अंतिम दौर के मुकाबले हुए

प्रतियोगिता के उदघाटन समारोह के

- राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता के टीम वर्गों में रायपुर, दुर्ग एवं बिलासपुर जिला के मध्य अंतिम मुकाबले का दौर

मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष विक्रम सिसोदिया थे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष गजराज पगारिया ने की तथा विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला और सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया रायपुर के क्षेत्रीय प्रमुख राज किशोर केरकेट्टा थे। अतिथियों ने इस दौरान कहा कि लगातार आयोजनों से राज्य के टेबल टेनिस खिलाड़ियों को फ़ायदा मिलेगा। सभी ने संघ के प्रयासों की सराहना की। मंच पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव विनय बैसवाड़े एवं मुख्य निर्णायक प्रदीप जोशी उपस्थित थे। कार्यक्रम का

संचालन छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के शकील साजिद ने किया।

प्रतियोगिता में टीम वर्गों के फायनल के मुकाबले हुए। जिसमें शाम तक खेले गए मैचों के अंतिम परिणाम में पुरुष वर्ग के फायनल में विजेता- रायपुर उपविजेता- दुर्ग 3-0, महिला वर्ग के फायनल में विजेता रायपुर,उपविजेता- बिलासपुर 3-2, यूथ अंडर-19 (यूथ) बालक वर्ग के फायनल मुकाबले रायपुर एवं बिलासपुर के मध्य खेले जा रहे हैं। यूथ अंडर-19 (यूथ) बालिका वर्ग फायनल मुकाबले बिलासपुर एवं दुर्ग के मध्य खेले जा रहे हैं।

यूथ अंडर-17 (जूनियर) बालक वर्ग फायनल मुकाबले रायपुर एवं बिलासपुर के मध्य खेले जा रहे हैं। यूथ अंडर-17 (जूनियर) बालिका वर्ग फायनल मुकाबले रायपुर एवं दुर्ग के मध्य खेले जा रहे हैं। यूथ अंडर-15 (सब जूनियर) बालकः-फायनल मुकाबले रायपुर एवं बिलासपुर के मध्य खेले जा रहे हैं। यूथ अंडर-15 (सब जूनियर) बालिका वर्ग में सेमी फायनल मुकाबले खेले जा रहे हैं। यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालक वर्ग फायनल में विजेता बिलासपुर, उपविजेता- रायपुर 3-2, यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालिका वर्ग में फायनल मुकाबले रायपुर एवं बिलासपुर के मध्य खेले जा रहे हैं। यूथ अंडर-11 (होप्स) बालक वर्ग फायनल में विजेता- दुर्ग और उपविजेता- बिलासपुर 3-0, यूथ अंडर-11 (होप्स) बालिका वर्ग फायनल में विजेता दुर्ग उपविजेता-रायपुर 3-0 रहे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर प्रदीप जोशी एवं सहायक मुख्य निर्णायक विमल नायर, शिशिर गुप्ता, प्रवीण निरापुरे हैं। प्रतियोगिता में 08 नवंबर को यूथ अंडर-17 (जूनियर) बालक एवं बालिका एकल वर्ग तथा यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालक एवं बालिका एकल वर्ग के मैच खेले जायेंगे।

सब्जी में जरूरत से ज्यादा पड़ गया है गरम मसाला तो अपनाएं जरूरी उपाय

कई बार खाना बनाते समय गरम मसाला डालने में थोड़ी-सी भी गलती हो जाने से पूरे पकवान का स्वाद बदल सकता है। गरम मसाले का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल होना हेल्थ के लिए भी फायदेमंद नहीं है।

दूध या दही मिलाएं: अगर आपने करी या ग्रेवी में गरम मसाला ज्यादा डाल दिया है, तो उसमें दूध या दही मिलाने से मसाले का तीखापन कम हो सकता है। दूध और दही दोनों ही माइल्ड होते हैं और गरम मसाले की कड़वाहट को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे मिलाएं?: खाने में एक या दो चम्मच दूध या दही डालें और अच्छे से मिलाएं। अगर खाना पहले से ही दही या दूध से बना है, तो मलाई का इस्तेमाल करें। बस आपको दूध या दही डालते समय यह ध्यान रखना है कि खाना हल्की आंच पर रखें, ताकि ये फटे नहीं।

नारियल का दूध या क्रीम का इस्तेमाल करें: नारियल का दूध या क्रीम गरम मसाले के तीखेपन को कम करने के लिए बहुत अच्छा ऑप्शन है। इनका हल्का मीठा स्वाद मसाले की कड़वाहट को बराबर करने में मददगार साबित होता है।

योगाभ्यास के दौरान अक्सर होती हैं ये गलतियां, अधिकतर लोगों को पता ही नहीं

योग से शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। शारीरिक क्षमता को बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए नियमित योगाभ्यास करना चाहिए। योग मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है। योग रोग प्रतिरोध में मदद करता है और शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाता है। बशर्ते योगाभ्यास का सही तरीका अपनाया जाए। नियमित तौर पर सही समय और सही तरीके से किया गया योग ही सकारात्मक असर डालता है, अन्यथा योगाभ्यास के दौरान गलतियां शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। अधिकतर लोग जाने-अनजाने योगाभ्यास के दौरान कुछ सामान्य गलतियां करते हैं, जो नुकसानदायक हो सकती है। यहां जानें योगाभ्यास के दौरान किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

योग और भोजन

अक्सर लोगों को लगता है कि आसन सामान्यतः बैठ कर की जाने वाली क्रिया है, जिसमें शारीरिक श्रम अधिक नहीं होता। इसलिए योग करने से पहले भोजन किया जा सकता है। लोग खाने पीने के बाद योग क्रिया करते हैं। लेकिन भरे पेट योगाभ्यास करने से फायदे मिलने की जगह नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। पेट में बहुत अधिक भोजन या पानी रखना दोनों सेहत के लिए ठीक नहीं है। सही तरीका- सबसे बेहतर उपाय है कि योग करने से एक या दो घंटे पहले कुछ हल्का नाश्ता कर लिया जाए। भोजन

और योग के बीच एक घंटे की अवधि हो ताकि योगासनों के अभ्यास के समय समस्या महसूस न हो।

फोन और योग

व्यस्त जीवनशैली के कारण दो काम एक साथ करना सामान्य हो गया है। योग करते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल, जैसे फोन पर बात करना, बीच-बीच में टेक्स्ट करना आदि, सामान्य है। लेकिन योग ध्यान क्रिया है, जिसमें फोन का उपयोग योगी के ध्यान को भटकाता है।

सही तरीका- बेहद जरूरी है कि योग करते समय फोन को कम से कम एक घंटे के लिए फोन साइलेंट कर लिया जाए। मोबाइल को एक घंटे के लिए ही सही खुद से दूर कर दें ताकि दिमागी तनाव कम किया जा सके और मन भ्रमित या ध्यान भटकने से रोका जा सके।

श्वास पर ध्यान न देना

योग क्रिया श्वास पर आधारित होती है। योग करते समय सांसों के पैटर्न को नियंत्रित करना बहुत जरूरी है। लेकिन योगी कई बार योग क्रिया के अनुसार सांसों की गति को अनदेखा कर देते हैं। वह श्वास रोककर योगाभ्यास करते हैं या सांस अंदर या बाहर लेने-छोड़ने का तरीका गलत अपनाते हैं।

कार्नर न्यूज

सफल दांपत्य जीवन में आपसी विश्वास बहुत जरूरी

शादीशुदा जोड़े के रिश्तों में कभी नहीं आएंगी दूरियां, बस इन इन बातों को हमेशा रखें याद

पति-पत्नी के रिश्ते में अगर मनमुटाव आ जाए तो आपसी मतभेद रिश्तों को खत्म कर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि कपल आपसी मनमुटाव के बाद मतभेदों को भुलाने की कोशिश करें और अपने रिश्ते के प्यार-सम्मान को खत्म ना होने दें।

शादीशुदा जोड़ों में मनमुटाव आम बात है। कभी प्यार और कभी तकरार वाले इस रिश्ते को अगर आपसी समझ के साथ चलाया जाए तो रिश्ता मजबूत बना रहता है, लेकिन जब रिश्ते के बीच अहम आ जाता है तो कई तरह की समस्याएं पैदा होने लगती हैं। कई बार रिश्ते में ऐसी दरार आ जाती है कि रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है। इसलिए जरूरी है कि जब भी कपल के बीच कोई तकरार या गलतफहमी पैदा हो तो उसे जल्दी से जल्दी सुलझाने का प्रयास किया जाए।

बातचीत बेहद जरूरी

अक्सर लोग सलाह देते हैं कि किसी भी लड़ाई झगड़े को शांतिपूर्वक बैठ कर आपस में बातचीत से सुलझाना चाहिए। झगड़े को बढ़ावा नहीं देना चाहते हैं तो अपने साथी से बातचीत जरूर करें। चाहे आपके बीच कितना बड़ा विवाद या झगड़ा क्यों न हो जाए, एक दूसरे से बात करना बंद न करें, बल्कि बैठकर आपस में बातचीत करें और जल्दी से जल्दी लड़ाई को सुलझाने की कोशिश करें। संवाद किसी भी कमजोर होते रिश्ते को मजबूत बना सकता है। बातचीत से गलतफहमी दूर होती है, साथ ही ये भी पता चलता है कि आखिर आपके पार्टनर को आपकी कौन सी बात अच्छी नहीं लगी।

एक दूसरे को समय देना जरूरी

रिश्ते कमजोर तब होने लगते हैं जब लोग अपने साथी को समय देना बंद कर देते हैं। मजबूत रिश्ते के लिए एक दूसरे के साथ वक्त बिताना बेहद जरूरी है। आपके बीच के तकरार और नाराजगी को इस तरह से जाहिर न करें कि पार्टनर को वक्त देना कम कर दें। बल्कि कोशिश करें कि अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा बहुत समय जरूर निकालें और बैठकर बात करें। पार्टनर को समय देने से रिश्ता मजबूत होता है। कोशिश करें कि पार्टनर के साथ हफ्ते में कभी बाहर घूमने जाएं।

गलती स्वीकार करें

आमतौर पर ऐसा होता है कि जब दो लोगों की लड़ाई होती है तो वह एक-दूसरे की गलतियां गिनाने लगते हैं। इस दौरान लोग अपने पार्टनर से कुछ ऐसी बातें भी कह देते हैं, जिससे उनका दिल दुखता है। गुस्से में वह अपनी गलती नहीं देख पाते और अपना पूरा दोष दूसरे के ऊपर डालने की कोशिश करते हैं। लेकिन, ऐसा करना बिलकुल ठीक नहीं है। आपको लगता है कि पार्टनर की गलती है लेकिन हो सकता है कि उन्हें आपकी गलतियां दिख रही हों।

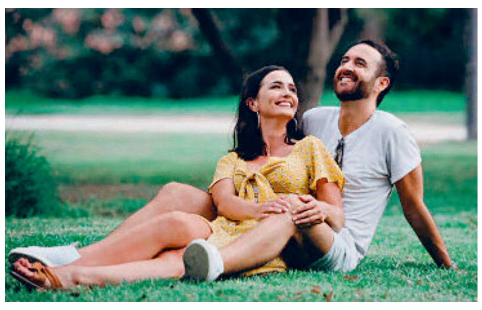

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हैंक्स की दो टूक, बोले- 20 साल तक कॉमिक बुक का तमाशा देखा

हॉलीवुड निर्माता-निर्देशक टॉम हैंक्स का मानना है कि अब लोग सुपरहीरो और वीएफएक्स तमाशे को देखने की बयाज इसकी अच्छी कहानी पर

ज्यादा जोर दे रहे हैं। दर्शक जानना चाहते हैं कि आखिरकार, कहानी में क्या खास है और इसकी थीम क्या है। आखिरकार पूरी फिल्म की कहानी क्या है। टॉम हैंक्स का कहना है कि अब फिल्म देखने वाले लोग सुपरहीरो और वीएफएक्स तमाशे से ज्यादा अच्छी कहानी सुनना पसंद करते हैं। टॉम ने कहा, ₹हमारे पास सुपरहीरो को एक्सप्लोर करने के लिए 20 साल थे। अब हम ऐसी जगह पर हैं, जहां लोग सवाल करते हैं कि आखिरकार फिल्म की कहानी क्या है। इसकी थीम क्या है और आखिरकार इस फिल्म को बनाने का मकसद क्या है।₹ टॉम हैंक्स अभिनेता, निर्माता, लेखक और निर्देशक हैं। टॉम ने एंड्रयू बेकेट की फिलाडेल्फिया, फॉरेस्ट गंप में मुख्य भूमिका से काफी प्रसिद्धी मिली। इसके अलावा टॉम ने अपोलो 13 में कमांडर जेम्स ए लवेल, सेविंग प्राइवेट रायन में कप्तान जॉन एच. मिलर की भूमिका से दर्शकों का दिल जीत लिया। टॉम ने 1993 में फिलाडेल्फिया के लिए और 1994 में फॉरेस्ट गंप के लिए लगातार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अकादमी अवाड्र्स जीता।

टॉम हैंक्स का जन्म कांकोर्ड, कैलिफोर्निया में हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पिता एमोस मेफोर्ड हैंक्स, लिंकन की मां नैन्सी हैंक्स की ओर से राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दूर के रिश्तेदार थे।

टॉलीवुड

कमल के बर्थडे पर सामने आया 'ठग लाइफ' का टीजर, रिलीज की तैयारी

कमल हासन और मणि रत्नम की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज की तारीख सामने आ गई है। फिल्म 5 जून 2025 को रिलीज होने वाली है। गुरुवार को अभिनेता के जन्मदिन पर निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज किया है। साथ ही फिल्म को लेकर जरूरी घोषणा भी की है। ठग लाइफ के

टीजर में कमल हासन की एक छोटी सी झलक दिखाई पड़ती है। इसमें वे दुश्मनों से लड़ते नजर आ रहे हैं। कमल हासन की फिल्म में ऊंचे पहाड़, बर्फ दिख रहा है। फिल्म अतीत के पन्नों को साथ जोड़ती नजर आ रही है। इस टीजर को देखने के बाद ही प्रशंसकों ने इस फिल्म की रिलीज और ट्रेलर का इंतजार करना शुरू कर दिया है। ठग लाइफ में निर्माता और अभिनेता कमल हासन के अलावा, फिल्म में कमल हासन, त्रिशा, अभिराम, नासिर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, गौतम कार्तिक, जोजू जॉर्ज, ऐश्वर्या लक्ष्मी और वैयापुरी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कमल हासन की इस फिल्म को गैंगस्टर ड्रामा बताया जा रहा है। फिल्म का संगीत एआर रहमान ने दिया है। पिछले साल कमल हासन के जन्मदिन से पहले निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक से पर्दा उठाया था। कमल हासन और मणिरत्नम इस फिल्म के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। तमिल फिल्म 'अमरण' में साई पल्लवी और शिवकार्तिकेयन के अभिनय को सराहा जा रहा है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपना शानदार प्रदर्शन दिखाया है। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह की किताब इंडियाज मोस्ट फियरलेसः ट्रू स्टोरिज ऑफ मॉडर्न मिलिट्री हीरोज की एक सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन राजकुमार निर्देशन राजकुमार पेरियासामी ने किया है और इसका निर्माण राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया ने किया है।

भोजपुरी

खेसारी लाल का तोहफा, फिल्म 'राजाराम' का टाइटल ट्रैक रिलीज

फिल्मी सितारे भी अपने-अपने अंदाज में त्यौहारी माहौल में मनोरंजन का तड़का लगा रहे हैं। भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव ने इस बीच अपनी

आगामी फिल्म 'राजाराम' का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया है। जय श्रीराम, राजाराम की धुन के साथ यह गाना खूब ट्रेंड कर रहा है। फिल्म का गाना यूट्यूब पर 'सारेगामा हम भोजपुरी' के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गाय है। रिलीज के कुछ ही घंटों में इसे लाखों व्यूज मिल चुके हैं। यह गाना सुनकर आप भक्ति-विभोर हो जाएंगे और 'जय श्री राम' का जयकारा अपने आप कानों में गूंजने लगेगा। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ, जो काफी धमाकेदार है। इसमें खेसारी लाल राजाराम नाम के एक कलाकार की भूमिका में हैं, जो श्रीराम के किरदार का मंचन करता है। लोग राजाराम में भगवान राम की छवि देखने लगते हैं और भगवान की तरह पूजने लगते हैं। राजाराम के कुछ व्यवहार से लोग आहत होते हैं और सवालों की बौछार होती है। इस फिल्म में खेसारी के साथ आकांक्षा पुरी भी हैं। फिल्म के निर्माता पराग पाटिल और आरआर प्रिंस हैं। इससे पहले फिल्म के दो गाने 'चुम्मा चुम्मा' और 'चॉकलेटी साडिया' भी रिलीज हो चुके हैं, जो काफी ट्रेंडिंग रहे हैं। 'चुम्मा चुम्मा' गाने में खेसारी ने आकांक्षा पुरी के साथ जबर डांस किया है।

काले चश्मा जचदा

लाइफ स्टाइल

हमारे यहां का एक लोकप्रिय फिल्मी गाना गोरे-गोरे मुखड़े पे काला-काला चश्मा इन मॉडल्स पर सटीक बैठता है। पिछले दिनों पेरिस फैशन वीक में इन मॉडल्स ने खूब धूम मचाई। यहां ला वर्थ, पोइरेट, वियोनेट, चैनल, डायर, लैनविन, गिवेंची जैसे बड़े ब्रांड ने अपने डिजाइन पेश किए। इसे दर्शकों ने भी खूब पसंद किया।

पहनना है कुर्ता तो क्रिकेटरों का लुक्स दिखा सकता है राह

अब त्योहारों और शादियों का सिलसिला शुरू हो गया है। अभी छठ चल रहा है आगे छोटी दीवाली होगी। लोग इसके लिए नए-नए कपड़े खरीदते हैं।

लड़कियां तो त्योहार पर अपने लिए एथनिक वियर आसानी से पसंद कर लेती हैं, दिक्कत आती है लड़कों के सामने। उन्हें समझ नहीं आता कि वो कैसे कपड़े पहनें। ऐसे में आपके लिए भारतीय क्रिकेटरों के कुछ ऐसे लुक्स, जिससे आप टिप्स ले सकते हैं।

रोहित शर्माः क्रिकेट टीम के कप्तान के एथनिक लुक्स बेहद स्टाइलिश हैं। ऐसे में आप उनसे टिप्स ले सकते हैं। व्हाइट पायजामे के साथ उनका ये हरा कुर्ता लुक बेहद शानदार है।

विराट कोहलीः टीम इंडिया के सबसे स्टाइलिश और क्लासी खिलाड़ी विराट कोहली के पास कुर्तों का काफी शानदार कलेक्शन है। ऐसे में आप उनसे टिप्स ले सकते हैं। उनके लुक्स से टिप्स लेकर तो आप कमाल ही लगेंगे।

रविंद्र जडेजाः रविंद्र जडेजा किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। आप अगर इनके लुक्स से टिप्स लेना चाहते हैं तो कुर्ता पायजामे के साथ हॉफ जैकेट जरूर पहनें।

केएल राहुलः अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से टीम को कई मैच जिताने वाले केएल राहुल स्टाइल के मामले में भी सबसे आगे हैं। दिवाली के हिसाब से उनका ये चिकनकारी कुर्ता काफी बेहतर विकल्प है।

ईशान किशनः टीम इंडिया के सबसे शरारती खिलाड़ी कहे जाने वाले ईशान किशन का कुर्ता लुक बेहद धमाकेदार होता है। आप उन्हीं की तरह ऐसे स्टाइलिश लुक कैरी कर सकते हैं। इस तरह का लुक कैरी करने के बाद आप सबसे स्मार्ट लगेंगे।

शुभमन गिलः टीम इंडिया के धमाकेदार बल्लेबाज शुभमन गिल टीम के काफी स्टाइलिश क्रिकेटर हैं। उनके एथनिक बेहद कमाल के होते हैं। आप चाहें तो इसी तरह का लाल कुर्ता पायजामा दिवाली के त्योहार पर पहन सकते हैं।

चावल के आटे से दमकेगी आपकी स्किन

अगर आप चाहती हैं कि आपकी स्किन नेचुरली ग्लो करे तो ऐसे में आप चावल के आटे की मदद से स्क्रब बनाकर उसे अप्लाई कर सकती हैं। ओट्स को एक बेहतरीन एक्सफोलिएटिंग एजेंट के रूप में जाना जाता है, इसलिए आप चावल के आटे के साथ ओट्स को मिक्स करके एक बेहतरीन स्क्रब तैयार कर सकती हैं। सबसे पहले चावल का आटा, ओट्स, दूध और शहद को मिक्स करें। अब आप इसे अपने फेस पर लगाएं और बेहद हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में स्क्रब करें। अब आप 10 मिनट तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, स्किन को वॉश करें और फिर उसे मॉइश्चराइज करना ना भूलें।

चावल के आटे और गुलाब जल से एक ऐसा फेस स्क्रब बनाया जा सकता है, जो ना केवल डेड स्किन को हटाता है, बल्कि इससे आपकी स्किन को सूदिंग अहसास भी होता है। अगर आपको अपनी स्किन थकी हुई महसूस हो रही है तो यह फेस स्क्रब आपके लिए काफी अच्छा रहेगा।

सबसे पहले एक बाउल में चावल का आटा और गुलाब जल डालकर मिक्स करें। अब आप इस मिश्रण को अपनी स्किन पर लगाएं और हल्के हाथों से एक्सफोलिएट करें। अब आप दस मिनट के लिए इसे स्किन पर ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, आप पानी की मदद से स्किन को क्लीन करें व उसे मॉइश्चराइज करें।

शादी के लिए परफेक्ट रहेंगे लहंगे के ये सटल डिजाइंस

स्टाइलिश दिखने के लिए आपको अपनी स्किन टोन के हिसाब से कलर्स का चुनाव करना चाहिए। इसके लिए आपको लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को समझना बेहद जरूरी होता है। हम सभी शादी के फंक्शन में जाने के लिए अपने लुक को कई तरीके से स्टाइल करना पसंद करते हैं और इसके लिए हम ज्यादातर लहंगे को पहनना पसंद करते हैं। इसके लिए आपको कलर और डिजाइन का चुनाव भी सोच-समझकर करना चाहिए। वैसे तो आपको मार्केट में कई कलर्स लहंगे में देखने को मिल जाएंगे, लेकिन दिन के शादी की बात करें तो अब चलन में सटल डिजाइन और कलर्स के लहंगे काफी पसंद किए जा रहे हैं। तो चलिए हम आपको दिखाने वाले हैं दिन की शादी में पहनने के लिए सटल कलर और डिजाइंस के लहंगे जिन्हें आप आसानी से स्टाइल कर सकते हैं।

मेहंदी फंक्शन में पहनने के लिए

मेहंदी फंक्शन में ज्यादातर ब्राइट कलर को पहना जाता है और इस खूबसूरत डिजाइनर लहंगा स्कर्ट आउटफिट को डिजाइनर ब्रांड द्वारा डिजाइन किया गया है। इस तरह का लहंगा आपको मार्केट में लगभग 1500 रुपये से लेकर 2000 रुपये में असानी से मिल जाएगा।

शादी के दिन के लिए

फ्लोरल डिजाइन को एवरग्रीन पसंद किया जाता है। इस खूबसूरत डिजाइन के ऑफ व्हाइट कलर के लहंगे को डिजाइनर महिमा महाजन द्वारा डिजाइन किया गया है।

उम्र के 40वें पड़ाव पर आने वाले इस बदलाव को करें स्वीकार, रहेंगे खुशहाल

उम्र बढ़ने के साथ-साथ शरीर में बहुत सारे बदलाव आते हैं और इन बदलावों की सबसे ज्यादा निशानियां चेहरे पर ही नजर आती है। कई बार यह बदलाव हमें एकदम से नज़र आने लगते हैं और हम परेशान हो जाते हैं। जाहिर है, कोई भी बूढ़ा दिखना नहीं चाहता है। इसलिए यह जानना बहुत जरूरी है कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ त्वचा में क्या बड़े बदलाव आते हैं।

आपने कई बार नोटिस किया होगा कि हाथ या फिर चेहरे पर आंखों के नीचे, चीक बोन पर या फिर नाक के आस-पास की त्वचा पर भूरे चकत्ते पड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि यह केवल 40 की उम्र के बाद ही नजर आते हैं। कई बार 30 की उम्र के बाद या फिर 25 की उम्र के बाद ही यह स्पॉट्स नजर आने लगते हैं। मगर जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे यह स्पॉट्स और भी गहरे होते जाते हैं और इनका आकार भी बढ़ता जाता है। यह स्पॉट्स ओवरएक्टिव पिगमेंट सेल्स की वजह से त्वचा पर पड़ते हैं। इन सेल्स का निर्माण तब होता है, नेचुरल पिगमेंट यानि मेलेनिन का प्रोडक्शन बढ़ जाता है। जब हम उम्र के 40वें पड़ाव पर पहुंचते हैं, तब इन स्पॉट्स का कलर और भी ज्यादा गहरा होता जाता है।

यह बात आपने कई स्किन एक्सपर्ट्स से सुनी होगी और हम खुद भी अपने कई लेख में आपको बता चुके हैं कि स्किन के लिए सन प्रोटेक्शन कितना जरूरी होता है। मेलेनिन का प्रोडक्शन सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणों की वजह से ही बढ़ता है। यदि आप नियमित रूप से अपने चेहरे पर सनस्क्रीन लगाती हैं, तो आप इससे कुछ हद तक बच सकती हैं।

कार्नर न्यूज

फैशन के इस दौर में मेन्स हेयर स्टाइल में 'मैन बन' बनी पसंद

'मैन बन' है आपका स्टाइल तो कुछ टिप्स जो आपको बनाएंगे और भी स्टाइलिश

'पुरुषों को बाल छोटे रखने चाहिए' अक्सर यही सुनने को मिलता है और लंबे बाल वाले पुरुषों को इसके चलते दिक्कत भी खूब होती है। लेकिन इसके बाद भी बड़े बाल रखने वाले कई पुरुष हैं। ये वो पुरुष हैं जो लंबे बाल तो रखते ही हैं बन भी बनाते हैं। लेकिन बन सारे पुरुषों पर अच्छा ही लगे ये जरूरी तो नहीं। मगर कुछ खास टिप्स के साथ बन पुरुषों पर अच्छा लगता ही है। ये टिप्स मैन बन को आपके लुक में ऐसा शामिल कराएंगे कि आप इन्हें आसानी से स्टाइल करेंगे और लोगों की तारीफ़ भी सुनेंगे।

'मैन बन' बनाने के आसान टिप्स

'मैन बन' यानी पुरुषों के लंबे बालों पर सजा बन। अगर ये स्टाइल रखने से आप अभी तक पीछे हट रहे थे तो अब आप इन स्टाइल को खास टिप्स के साथ आजमा सकते हैं-

कैसे-कैसे 'मैन बन'

बालों का जूड़ा स्टाइल ही 'मैन बन' है लेकिन ये भी कई तरीके के होते हैं जैसे जब बन सिर पर बहुत ऊंचाई पर बनाया गया होता है तो उसे टॉपनॉट कहते हैं। लेकिन जब बन बेहद ढीला बंधा होता है तो उसे फुल बन कहते हैं। जब पुरुष मैन बन बनाने की कोशिश करते हैं तो उन्हें सिर्फ योंहीं बाल पकड़ कर बन बनाने की जरूरत नहीं है बल्कि वे कई तरह के स्टाइल बना सकते हैं।

हाफ अपः जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है। इसमें 'सिर्फ आधे बालों से ही बन बनाया जाता है। ये उन पुरुषों के लिए सही है जिनके बाल सच में लंबे हैं। मतलब बाल पुरुषों के कंधों से भी नीचे हैं तब ही हाफ अप बन अच्छा लगता है।

लो बनः ये बन सिर में पीछे की ओर बनाया जाता है। इसमें बन सिर के क्राउन पर नहीं बनता है। नाम के मुताबिक इसे बिलकुल सिर के पीछे नीचे की ओर बनया जाता है।

फेड के साथ मैन बनः ये एक ऐसा बन है जिसके लिए आपको अक्सर सैलून जाना होगा। इसमें सिर में ऊपर के बाल का बन बनाया जाता है। सिर्फ में नीचे के सारे बाल चोट कर दिए जाते हैं। ये बड़े बालों से बिलकुल अलग हो जाते हैं।

बन एंड बियर्डः याद रखिए ये वो स्टाइल है जिसमें हर तरह के बाल चल जाते हैं, जैसे स्ट्रेट या कर्ली। इस लुक में सिर पर बन होता है तो बियर्ड भी ठीक से बढ़ाई गई होती है।

किस पर सूट करेगा 'मैन बन': जैसे सभी हेयर स्टाइल चेहरे के आकार के हिसाब से सूट करते हैं, ठीक वैसे ही 'मैन बन' भी हर चेहरे पर सूट नहीं करता है। जैसे टॉप नॉट उन पुरुषों पर अच्छा लगता है जिनका बोन स्ट्रक्चर बहुत डिफाइन नहीं होता है। क्योंकि इसके साथ चेहरा लंबा नजर आ सकता है। इसके साथ चेहरा पतला भी नजर आता है। टॉपनॉट को अगर दाढ़ी के साथ मैच किया जाए तो ये काफी मेस्क्युलिन स्टाइल बन जाता है।